www.tamsasanket.com

वर्षः 29 || अंक 145 || अम्बेडकरनगर

शनिवार

15 अगस्त 2026 || पृष्ठः 10 || मूल्यः ₹2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:37
सूर्यास्तः 06:44
अधिकतमः 34.00
न्यूनतमः 28.00

पेज 07

विशेष समाचार | उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा ... >> पेज 04 | पनीर में मिलावट के खिलाफ बड़ा... >> पेज 06 | गुरु रंधावा के नए गाने पर ...

मुख्यमंत्री योगी के बयान

विभाजन की त्रासदी से सबक लेकर मजबूत भारत के निर्माण का संकल्प लें विभाजन मानवता के

इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, लोगों को मातृभूमि से विस्थापित होना पड़ा विभाजन केवल भूमि का बंटवारा नहीं, लाखों परिवारों की पीड़ा का इतिहास

भारत को कमजोर करने में आंतरिक विभाजन ने बड़ी भूमिका निभाई पहचान अलग-अलग हो सकती है, लेकिन सबसे बड़ी पहचान भारतीय होने की हो

नागरिकता कानून को लेकर भ्रम फैलाया गया, यूपी में उपद्रव की कोशिशें हुईं समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की

1947 के कत्लेआम के सपा-कांग्रेस दोषी

योगी बोले- मोदी जैसा पीएम होता तो कोई भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाता

कार्यक्रम

- 'आपसी मतभेद, जाति-क्षेत्र के आधार पर बंटवारे के चलते देश गुलाम हुआ था'
- 'सीएए को लेकर यूपी में दंगे करवाने के प्रयास हुए'
- आजम ने मौलाना मोहम्मद अली जौहर के नाम पर बनवाई थी यूनिवर्सिटी

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । सीएम योगी ने शुक्रवार को कहा- पीएम मोदी नागरिकता संशोधन विधेयक लेकर आए थे, जिसका विरोध किया गया। उस विरोध को उकसाने का काम कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने किया। ये लोग 1947 के विभाजन और कत्लेआम के वास्तविक दोषी हैं। अगर उस समय नरेंद्र मोदी जैसा प्रधानमंत्री होता, तो भारत का कोई बाल भी बांका नहीं कर पाता।

योगी ने सपा नेता आजम खान का बिना नाम लिए शिवपाल यादव के बयान पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा-भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के नाम पर विश्वविद्यालय बनाने वाले व्यक्ति की सपा आज पैरोकार बन रही है। कह रही है कि हम आएंगे तो उसको गृहमंत्री बनाएंगे। ये फिर दंगा करवाना चाहते हैं। जिसने मुजफ्फरनगर और सहारनपुर के दंगाइयों को सीएम आवास पर लाकर सम्मानित करवाया, ऐसे व्यक्ति के समर्थन में ये लोग दलीलें दे रहे हैं। इनकी शर्मनाक सोच को देखिए। योगी ने कहा- यह सवाल आज भी हमारे सामने है। इसलिए इतिहास सिर्फ परीक्षा में पढ़ने वाला विषय नहीं है।

>> (शेष पेज 08 पर)

सीएम ने सरदार पटेल प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और हाथ जोड़कर प्रणाम किया।

> भाजपा ने लखनऊ में मौनव्रत पदयात्रा निकाली। इस दौरान सीएम योगी मास्क लगाकर पैदल चले। इसके बाद लोकभवन में सीएम ने कहा- कांग्रेस ने देश के साथ विश्वासघात किया। 1947 में वे मौन थे और किसी भी तरह सत्ता पाना चाहते थे। उनकी आज भी यही मंशा है।

आने वाली पीढ़ी को उस दौर की सच्चाई से अवगत कराया जाए

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस केवल अतीत को याद करने का अवसर नहीं है। इतिहास को केवल पन्ने पलटने या परीक्षा के पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं किया जा सकता। इतिहास हमें गौरवशाली अतीत पर गर्व करने के साथ-साथ अतीत की गलतियों से सीख लेकर उन्हें दोबारा न दोहराने की प्रेरणा देता है। यह समझना जरूरी है कि विभाजन की परिस्थितियां क्यों पैदा हुईं, इसके लिए कौन जिम्मेदार था, दोषियों को कितनी सजा मिली और आखिर कब तक देश को उस त्रासदी की कीमत चुकानी पड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने के पीछे भी यही भावना है कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ी को उस दौर की सच्चाई से अवगत कराया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लखनऊ स्थित लोकभवन में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस समारोह कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान सीएम ने इससे संबंधित कई पेंटिंग का भी अवलोकन किया।

लखनऊ के हजरतगंज में भाजपा ने सरदार पटेल प्रतिमा से लोकभवन तक पदयात्रा निकाली। इसमें सीएम योगी भी शामिल हुए।

'सत्ता के लिए सनातन राष्ट्र के टुकड़े कर दिए गए'

सीएम ने कहा- आज पूरा देश विभाजन की भीषण त्रासदी के स्मृति दिवस के साथ जुड़ा है। यह विश्व मानवता के इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। करोड़ों हिंदुओं को अपनी ही मातृभूमि, जन्मभूमि से विस्थापित होना पड़ा था। लाखों की संख्या में हिंदू, बौद्ध, सिख, जैनों का कत्लेआम हुआ था। किसी भी स्तर पर कोई सुनवाई नहीं थी। सत्ता प्राप्त करने की लिप्सा इस हद तक थी कि एक सनातन राष्ट्र के टुकड़े कर दिए गए। यह दिवस इतिहास के उन काले अध्यायों से हमें बहुत कुछ सीखने की प्रेरणा भी प्रदान कर रहा है, क्योंकि केवल उसका स्मरण भर करने से इस समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। सीएम योगी लखनऊ में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। दरअसल, 2 दिन पहले शिवपाल यादव ने रामपुर जेल में बंद आजम खान से मुलाकात के बाद कहा था- सपा सरकार बनने पर आजम खान को गृहमंत्री बनाएंगे। उन पर हुए हर जुल्म का बदला लेंगे।

'परीक्षा सुधारों के लिए बड़े कदम उठा रही है सरकार'

संबोधन में बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशवासियों को संबोधित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि परीक्षा सुधारों के लिए सरकार बड़े कदम उठा रही है और विद्यार्थियों के हित में परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और बेहतर बनाया जा रहा है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकी नेटवर्क के खिलाफ सटीक हमले करने की भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता को प्रदर्शित किया है। उन्होंने साफ किया कि आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों को अंजाम भुगतना होगा, चाहे वे कहीं भी छिपे हों। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत को नक्सल-मुक्त बनाना एक बड़ी राष्ट्रीय उपलब्धि है ।

>> (शेष पेज 08 पर)

- राष्ट्रपति ने बताया स्वतंत्रता का सच्चा अर्थ
- सभी नागरिकों के योगदान की सराहना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि स्वतंत्रता का सच्चा अर्थ तभी पूरा होता है, जब देश के सभी नागरिकों को अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए समान अवसर मिलें और वे भारत को विश्व का अग्रणी राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में योगदान दें।

सभी नागरिकों के योगदान की सराहना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी नागरिकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि देश की प्रगति सामूहिक प्रयासों का नतीजा है। उन्होंने तीनों सेनाओं, सशस्त्र पुलिस बलों और पुलिसकर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की भी प्रशंसा की। उन्होंने विदेशों में रह रहे भारतीय समुदाय और विभिन्न देशों में भारतीय दूतावासों में कार्यरत अधिकारियों की भी सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि ये लोग वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने देशवासियों से राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ आगे बढ़ने और भारत को विश्व का अग्रणी राष्ट्र बनाने के संकल्प में योगदान देने का आह्वान किया।

बैंकॉक एयरपोर्ट पर 28 घंटे से फंसे 200 भारतीय

एअर इंडिया की फ्लाइट से वापस लौटना था तकनीकी खराबी आई

यात्रियों ने बताया कि गुरुवार शाम 4 बजे ही एयरपोर्ट पहुंचे थे। 28 घंटे से सिर्फ इंतजार ही कर रहे हैं, लेकिन कोई दूसरी फ्लाइट अरेंज नहीं की जा रही है। एअर इंडिया के किसी भी अधिकारी ने बात नहीं की है।

यात्रियों ने बताया कि शुक्रवार को हमने सिर्फ चेक इन और चेक आउट ही किया। छोटे बच्चे और महिलाएं भी हैं।

समस्या

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के एयरपोर्ट पर भारत के 200 लोग गुरुवार शाम से फंसे हैं। वे एअर इंडिया की फ्लाइट से भारत लौट रहे थे, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट रनवे से वापस आ गई। यात्रियों में कई मध्य प्रदेश के भी हैं। उनका कहना है कि एअर इंडिया ने न तो फ्लाइट कैंसिल की और न ही रिफंड किया। एअर इंडिया ने शुक्रवार शाम 7.15 बजे फ्लाइट रवाना होने की बात कही। रात 8 बजे तक फ्लाइट नहीं उड़ी थी। हालांकि बोर्डिंग शुरू हो गई है। इससे पहले कुछ यात्री दूसरी फ्लाइट से भारत लौट आए हैं। इंदौर की दिव्या माहेश्वरी ने बताया कि वह थाईलैंड घूमने आई थीं। बैंकॉक से दिल्ली लौटने के लिए गुरुवार शाम 5.30 बजे एअर इंडिया की फ्लाइट थी।

>> (शेष पेज 08 पर)

राजस्थान की एचपीसीएल रिफाइनरी में फिर आग लगी

बाड़मेर। राजस्थान के बालोतरा में देश की सबसे हाईटेक हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड (HPCL) की रिफाइनरी में एक बार फिर आग लग गई। शुक्रवार शाम करीब 6 बजे क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (CDU) में ऑयल रिसाव हो रहा था, जहां चिंगारी के बाद आग लग गई।

हालांकि आग लगते ही रिफाइनरी का फायर सिस्टम एक्टिव हो गया और सायरन भी बजने लगे। धुआं उठने पर मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर फायर बिग्रेड की गाड़ियां पहुंची और करीब 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग से बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। इस रिफाइनरी का उद्घाटन 21 अप्रैल को होना था। इससे पहले रिफाइनरी में 20 अप्रैल को यहां आग लग गई थी। आग की वजह से 21 अप्रैल को होने वाला उद्घाटन टल गया था।

'जंतर-मंतर पर गोली नहीं चली'

रिजिजू बोले- तो किसने चलाई का सवाल ही नहीं उठता, पैलेट्स गन से दो ही घायल क्यों हुए

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि जंतर-मंतर पर पुलिस ने प्रदर्शन को रोकने के लिए ज्यादा बल का प्रयोग नहीं किया। इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में रिजिजू ने कहा कि, जब हजारों की भीड़ संसद की तरफ बढ़ेगी तो सुरक्षाबल रोकने का प्रयास तो करेंगे।

रिजिजू ने आगे कहा कि, विपक्ष प्रदर्शन के दौरान गोली चलने का झूठा दावा कर रहा है। जब जंतर-मंतर पर गोली चली ही नहीं तो किसने चलाई का सवाल नहीं उठता। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान पुलिस ने पैलेट गन समेत अत्यधिक बल का इस्तेमाल किया। रिजिजू ने कहा कि अगर हजारों लोगों के प्रदर्शन में पैलेट गन चलाई गई होती तो बड़ी संख्या में लोग घायल होते। सिर्फ एक-दो लोगों को चोट नहीं लगती। राहुल गांधी ने 24 जुलाई को अपने आवास 10 जनपथ पर छात्रों के प्रदर्शन में घायल एक स्टूडेंट के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। राहुल ने कहा, 'मैं यह बताना चाहता हूं कि यहां खड़ा मेरा भाई उस समय पैलेट गन से घायल हो गया था, जब वह तिरंगा लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहा था।' राहुल ने 29 जुलाई को फिर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। एक छात्र का चेहरा दिखाते हुए कहा कि उस पर पैलेट गन चलाई गई, जिससे उसकी आंख में चोट लगी।

>> (08 पर)

> दरअसल राहुल गांधी ने दावा किया था पैलेट्स गन से दो छात्र घायल हुए थे। एक प्रदर्शनकारी के शरीर पर करीब 20 पैलेट के घाव मिले थे। मेडिकल रिकॉर्ड में उसकी पीठ और कोहनी पर चोटों का जिक्र था। एक अन्य प्रदर्शनकारी की आंख में गंभीर चोट की भी रिपोर्ट सामने आई थी।

10 में 9 पाकिस्तानी भारत को खतरा मानते हैं

नई दिल्ली। 10 में से 9 पाकिस्तानी भारत को खतरा मानते हैं, ये बात अमेरिकी प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे में सामने आई है। इंडियंस भी अपना सबसे बड़ा दुश्मन पाकिस्तान को ही मानते हैं। सर्वे में कहा गया कि दोनों देशों के लोग पड़ोसी के साथ अच्छे रिश्ते चाहते हैं, लेकिन भरोसे की कमी है।

अवकाश की सूचना

15 अगस्त 2026, शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर 'तमसा संकेत' के सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, समाचार पत्र वितरक बंधुओं एवं समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

15 अगस्त 2026, शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व के कारण 'तमसा संकेत' कार्यालय बंद रहेगा। अतः अगला अंक 17 अगस्त 2026, सोमवार को प्रकाशित होगा।

— संपादक

तैयारी : कोविड वैक्सीन कहां लगवाई, कितने बैंक अकाउंट जैसे 40 सवाल पूछेंगे, लिस्ट जारी

जनगणना में आजादी के बाद पहली बार पूछी जाएगी जाति

केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 के लिए 11,718.24 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी है। जनगणना पूरे देश में केंद्र के समन्वय से होगी। राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारें इसके क्रियान्वयन में मदद करेंगी।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने जनगणना-2027 के लिए 40 सवालों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें लोगों से SC, ST या अन्य जाति के बारे में पूछा जाएगा। आजादी के बाद यह पहली बार होगा जब सभी समुदायों की जाति की जानकारी जनगणना में दर्ज की जाएगी।

इससे पहले 2011 की जनगणना के फॉर्म में 29 सवाल थे। इसमें जाति से जुड़ी जानकारी के लिए सिर्फ SC/ST का विकल्प था। जनगणना-2027 के सवालों की लिस्ट में जाति से जुड़ा सवाल नंबर 10 पर है, जिसमें SC/ST के साथ जाति शब्द भी जोड़ा गया है।

खास बात यह है कि लोगों से कोविड वैक्सीन कहां लगवाई थी, यह सवाल भी पूछा जाएगा। इसके साथ मोबाइल नंबर, आधार, वोटर ID और बैंक अकाउंट से जुड़े सवाल भी होंगे।

जनगणना में व्यक्ति का नाम, परिवार के मुखिया से संबंध, लिंग, जन्मतिथि और उम्र पूछी जाएगी। साथ ही वैवाहिक स्थिति, शादी के समय उम्र, पति या पत्नी का नाम, राष्ट्रीयता, धर्म और SC/ST/जाति की जानकारी ली जाएगी। माता-पिता की जानकारी भी दर्ज होगी।

देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी

जनगणना 2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। डेटा डिजिटल माध्यम से दर्ज किया जाएगा और लोगों को खुद अपनी जानकारी देने यानी सेल्फ-एन्यूमरेशन का विकल्प भी मिलेगा। जनगणना की कानूनी प्रक्रिया सेंसस एक्ट, 1948 और सेंसस रूल्स, 1990 के तहत होगी। केंद्र के मुताबिक, लोगों की दी गई व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। सेंसस एक्ट की धारा 15 के तहत इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, RTI के तहत नहीं दिया जा सकता और किसी कोर्ट में सबूत के तौर पर भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जनगणना पहले 2021 में होने वाली थी। इसे कोरोना महामारी के कारण टाल दिया गया था।

इस हिस्से में दिव्यांगता, मातृभाषा और दूसरी भाषाएं, साक्षरता और डिजिटल साक्षरता की जानकारी ली जाएगी।

>> (शेष पेज 08 पर)

एन यू जे आई का तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन 18 सितंबर से

देश भर के 1,000 से अधिक पत्रकार जुटेंगे

तमसा संकेत, जयपुर। (इंद्रप्रस्थ न्यूज)। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, इंडिया (NUJI) का तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 18, 19 और 20 सितंबर 2026 को गुलाबी नगरी जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। देश भर के पत्रकारों के इस महाकुंभ में 1,000 से अधिक वरिष्ठ पत्रकार, संपादक और मीडियाकर्मी शामिल होंगे। इस भव्य राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी एनयूजेआई की राजस्थान राज्य संबद्ध इकाई 'जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान' (जार) द्वारा की जा रही है।

एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी एवं राष्ट्रीय महासचिव प्रदीप तिवारी के अनुसार, इस अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य भारतीय पत्रकारिता के भावी स्वरूप को दिशा देना तथा पत्रकारों के अधिकारों व हितों की रक्षा करना है।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्षः हिंदी समाचार पत्रों की दो शताब्दियों की यात्रा, इसके उज्ज्वल भविष्य, मीडिया क्षेत्र में आ रहे नए अवसरों और वर्तमान दौर की चुनौतियों पर विस्तृत मंथन। फेक न्यूज और मुख्यधारा मीडिया की साखः सोशल मीडिया के तेजी से बढ़ते प्रभाव के बीच मुख्यधारा मीडिया की विश्वसनीयता बनाए रखने, फेक न्यूज पर रोक लगाने और मीडिया की साख को पुनर्स्थापित करने के व्यावहारिक समाधान।

>> (शेष पेज 08 पर)

अयोध्या में शुरू होगा सावन झूला मेला

15 से 28 अगस्त तक अयोध्या में झूलोत्सव की धूम, 11 झांकियां पहुंचेंगी मणिपर्वत

उत्सव

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या। रामनगरी में श्रद्धालुओं का महाकुंभ माना जाने वाला सावन झूला मेला शनिवार से शुरू हो रहा है। 15 से 28 अगस्त तक चलने वाले इस मेले का पहला दिन मणिपर्वत पर मनाया जाएगा। मणिपर्वत पर भगवान राम-सीता का झूला विहार होगा। अयोध्याधाम के विभिन्न मंदिरों से 11 झांकियां निकलकर मणिपर्वत पहुंचेंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खास निर्देश पर प्रशासन और पुलिस ने मेले की तैयारियों को अंतिम रूप भी दे दिया है। मणिपर्वत मेले को एक जोन और पांच सेक्टर में विभाजित किया गया है। पूरे मेला क्षेत्र को छह जोन और 29 सेक्टर में बांटा गया है। पुलिस बल की ड्यूटी दो पालियों में लगाई जाएगी। मेला ड्यूटी कार्यालय का गठन सिंचाई डाक बंगला, नयाघाट अयोध्या में किया गया है। एसपी सिटी अयोध्या चक्रपाणि त्रिपाठी ने कहा कि मेले के दौरान पुलिस बल की मांग के अनुरूप तैनाती की जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक से लेकर कांस्टेबल तक और महिला बल समेत पर्याप्त स्टाफ लगाया गया है। पीएसी, आरएएफ, एटीएस कमांडो और एसडीआरएफ टीमें भी उपलब्ध रहेंगी। ड्रोन कैमरे और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की व्यवस्था की गई है। मणिपर्वत पर विशेष फोकस रहेगा।

- सावन झूला मेले में आम श्रद्धालु भी झूला सकेंगे रामलला, कुबेर टीला पर होगी विशेष व्यवस्था
- मणिपर्वत मेले को एक जोन और पांच सेक्टर में किया विभाजित
- अयोध्या के 5000 से अधिक मंदिरों में सजेगा झूलोत्सव, पुलिस-प्रशासन ने पूरी की तैयारियां
- रामनगरी में झूला मेले को लेकर सुरक्षा चाक-चौबंद, ड्रोन से निगरानी

आम श्रद्धालु भी झुला सकेंगे रामलला को झूला

राम मंदिर के अनुष्ठान प्रभारी एवं महोत्सव के व्यवस्थापक आचार्य इंद्रदेव मिश्र ने बताया कि अयोध्या की परम्परा में मणिपर्वत के बजाय सुरक्षा कारणों से भगवान झूला बिहारी को पहली बार कुबेर नवरत्न टीला पर ले जाकर झूलन विहार कराया जाएगा। बताया गया कि यहां पेड़ की डाल पर पहली बार झूला पड़ेगा। झूला तैयार करा लिया गया है। आम श्रद्धालु भी भगवान को झूला झुला सकेंगे। सावन शुक्ल तृतीया से अयोध्या में सावन झूला मेला का शुभारम्भ होता है। इस पर्व पर यहां के प्रतिनिधि मंदिरों से भगवान की शोभायात्रा निकाली जाती है, जो मणिपर्वत पर पहुंच कर सांस्कृतिक उत्सव में परिणित हो जाती है। इस मौके पर लाखों श्रद्धालु युगल बिहारी सरकार का दर्शन कर अपने नेत्रों को धन्य करते हैं।

यातायात व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण पर विशेष ध्यान

प्रशासन का कहना है कि मेले के दौरान यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और आपात सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मणिपर्वत से लेकर पूरे अयोध्या क्षेत्र में श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। अधिकारियों ने जनपद स्तर पर सभी तैयारियों को पूरा कर लिया है। श्रावण मास की इस पावन बेला में अयोध्या फिर से भक्ति और आस्था से सराबोर होने जा रहा है। विशेष पर्व के दिन डायवर्जन भी लागू किया जा रहा है।

तंत्र-मंत्र के बाद तबीयत बिगड़ी तांत्रिक को पीट-पीटकर मार डाला

लाश फेंका, मां-पत्नी ने हाथ में टैटू देखकर पहचाना

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में तंत्र-मंत्र के बाद तबीयत बिगड़ने से नाराज परिजनों ने तांत्रिक की हत्या कर दी। आरोपियों ने शातिराना तरीके से वारदात को अंजाम दिया। पेचकस से पूरा शरीर गोद डाला। स्टूल, सिलेंडर और ईंट से शव को कूच दिया, ताकि पहचानना मुश्किल हो जाए। तांत्रिक की आवाज घर से बाहर न जाने पाए, इसके लिए तेज आवाज में गाना बजा रहे थे। इसके बाद शव को कोलकाता-प्रयागराज हाईवे पर झाड़ियों में फेंक दिया। स्थानीय लोगों की सूचना पर जब लाश मिली तो पुलिस ने शिनाख्त कराई। तांत्रिक की मां और पत्नी ने हाथ पर बने टैटू से लाश की शिनाख्त की। कॉल डिटेल से संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। शुक्रवार दोपहर 2 बजे 6 आरोपियों को जेल भेजने से पहले पुलिस उन्हें मीडिया के सामने लाई। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने परिवार में बीमारी और आर्थिक तंगी दूर करने के लिए तांत्रिक से पूजा-पाठ कराया था, लेकिन समस्याएं कम होने के बजाय बढ़ती चली गईं। इसी से नाराज होकर उन्होंने तांत्रिक की हत्या की थी।

लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र में गोइठहां स्थित ओम नगर कॉलोनी निवासी अनीश उपाध्याय तांत्रिक था। 30 जून को कानपुर से दो लोग अनीश के घर आए और पूजा पाठ करने के लिए अपने साथ ले गए। इसके बाद अनीश वापस नहीं लौटे।

फास्ट न्यूज

बीएचयू परिसर में 11 वर्षीय बच्चे पर कुत्ते का हमला

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर में गुरुवार सुबह 11 वर्षीय बच्चे पर पालतू कुत्ते के हमले का गंभीर मामला सामने आया। सुबह टहलने निकले बच्चे पर कुत्ते ने हमला कर दिया, जिससे उसके चेहरे और सिर पर कई गंभीर चोटें आईं। घायल बच्चे को राहगीरों ने तत्काल बीएचयू ट्रामा सेंटर की इमरजेंसी पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने करीब तीन घंटे तक ऑपरेशन किया।

वकीलों ने निकाली तिरंगा यात्रा

बाराबंकी। बाराबंकी में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को अधिवक्ता परिषद और विधि प्रकोष्ठ ने तिरंगा यात्रा निकाली। कचहरी परिसर से शुरू हुई इस यात्रा में सैकड़ों अधिवक्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाए। यात्रा का शुभारंभ सिविल कोर्ट परिसर स्थित एडीआर भवन से हुआ। यह यात्रा गेट नंबर एक से अयोध्या रोड होते हुए कलेक्ट्रेट तक पहुंची। इस दौरान जिला बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप गुप्ता और उनकी टीम ने अधिवक्ताओं पर पुष्पवर्षा कर और माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया।

राजकीय इंटर कॉलेज में स्वतंत्रता आंदोलन पर चित्र प्रदर्शनी

बाराबंकी। बाराबंकी के राजकीय इंटर कॉलेज सिरौली गौसपुर में शुक्रवार दोपहर 2:30 बजे स्वतंत्रता दिवस और 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, लखनऊ ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

इलाज के दौरान आशा कार्यकर्ता की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

गीता देवी, मृतक

- परिजनों का हंगामा कर्मचारियों ने बेटे और बेटी पर धारदार हथियार से किया हमला, नर्सिंग होम सीज

सोरांव। प्रयागराज के नर्सिंग होम में शुक्रवार को इलाज के दौरान एक महिला की 11:30 बजे मौत हो गई। नाराज परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही और मारपीट का आरोप लगाते हुए शव को प्रयागराज-अयोध्या मार्ग पर रखकर प्रदर्शन किया।

परिजनों ने सोरांव थाने में तहरीर देकर अस्पताल के डॉक्टर, स्टाफ, संचालक और मैनेजर पर लापरवाही व गलत दवा देने का आरोप लगाया है। आरोप है कि विरोध करने पर अस्पताल कर्मचारी ने मृतका के बेटे और पिता पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। बहन के साथ भी मारपीट की गई, जिससे अधिक खून बहने पर वह बेहोश हो गई। परिजनों ने करीब 2 घंटे जमकर हंगामा किया। प्रदर्शन के कारण सड़क पर दो किलोमीटर लंबा जाम लग गया। मौके पर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच के बाद निशा नर्सिंग होम को सीज कर दिया। मामला सोरांव स्थित होलागढ़ मोड़ के पास निशा नर्सिंग होम का है। मृतका की पहचान सेवईत गांव निवासी गीता देवी (40) के रूप में हुई है, जो आशा कार्यकर्ता थीं। परिजनों के अनुसार, गीता देवी हृदय रोग से पीड़ित थीं और 2 अगस्त से आयुष्मान कार्ड के तहत निशा नर्सिंग होम में उनका उपचार चल रहा था।

अयोध्या पहुंचे सीएम योगी, ब्रह्मलीन महंत परमहंस रामचंद्र दास महाराज की पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि

हनुमानगढ़ी में बजरंगबली के दरबार पहुंचे सीएम योगी

रामलला के दरबार में सीएम योगी ने किए दर्शन-पूजन

- प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की
- संत रविदास मंदिर में सीएम योगी ने अर्पित की पुष्पांजलि, संत समाज से लिया आशीर्वाद

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले सरयू अतिथि गृह से रामकथा पार्क स्थित ब्रह्मलीन परमहंस रामचंद्र दास महाराज के समाधि स्थल पर पहुंचकर पुष्पार्चन किया। श्रीराम जन्मभूमि न्यास के प्रथम अध्यक्ष रहे परमहंस रामचंद्र दास महाराज की 23वीं पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

परमहंस रामचंद्र दास महाराज का अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उनसे आत्मीय संबंध रहा है। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के साथ परमहंस रामचंद्र दास रामजन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख संतों में शामिल रहे।

समाधि स्थल पर मुख्यमंत्री ने विधिवत पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान बड़ी संख्या में संत-महंत और श्रद्धालु भी मौजूद रहे। संतों ने भी परमहंस रामचंद्र दास महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की।

रामलला के दर्शन के बाद मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ दिगंबर अखाड़ा पहुंचे, जहां वह ब्रह्मलीन परमहंस रामचंद्र दास महाराज के 23वें पुण्य स्मृति महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने संत-महंतों से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया।

हनुमानगढ़ी में बजरंगबली के किए दर्शन

समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हनुमानगढ़ी पहुंचे। यहां उन्होंने बजरंगबली के दर्शन-पूजन कर प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद हनुमानगढ़ी स्थित इमली बाग में पहुंचकर स्वर्गीय महंत संत रामदास को श्रद्धांजलि अर्पित की। हनुमानगढ़ी से मुख्यमंत्री सीधे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने रामलला का दर्शन-पूजन किया।

मुख्यमंत्री रायगंज स्थित संत रविदास मंदिर भी गए। यहां उन्होंने संत रविदास को नमन करते हुए मंदिर के स्वर्गीय महंत पूज्य बनवारी पति ब्रह्मचारी को पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री के अयोध्या दौरे के दौरान संत समाज और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

बॉयफ्रेंड से बात करने से रोकता था, रायबरेली में एक महीने तक जुर्म छिपाया

मां और बेटी ने पिता की हत्या करके शव दफनाया

पुलिस ने इसी गड्ढे को खोदकर कंकाल बरामद किया था।

तमसा संकेत, एजेंसी

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मां-बेटी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर हरचंदपुर थाना क्षेत्र के बराइन गांव का है।

हरचंदपुर, रायबरेली। रायबरेली में मां ने बेटी के साथ मिलकर पिता की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को घर से 50 मीटर दूर एक गड्ढे में दफना दिया। आरोपी मां ने महाराष्ट्र में नौकरी करने वाले बेटे को बताया कि पिता लड़ाई-झगड़ा करके कहीं चले गए हैं।

कई दिनों तक पिता से बात न होने पर बेटा घर लौटा और पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। गांव वालों से पूछताछ के दौरान पुलिस को मां-बेटी पर शक हुआ। शुरुआत में दोनों पुलिस को गुमराह करती रहीं, लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने जुर्म कबूल कर लिया। पूछताछ में आरोपी मां ने बताया कि पति शराब के नशे में अक्सर मारपीट करता था। बेटी के अफेयर की जानकारी होने पर वह उसके साथ भी मारपीट करने लगा। उसे किसी से बात नहीं करने देता था। रोज-रोज की प्रताड़ना से तंग आकर हम दोनों ने लोहे की रॉड से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, वारदात को 17 जुलाई को अंजाम दिया गया था। करीब 20 दिनों तक मां अपने बेटे को गुमराह करती रही। किसी को भी वारदात की भनक तक नहीं लगने दी। 7 अगस्त को बेटे ने घर पहुंचकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने गुरुवार (13 अगस्त) को मामले का खुलासा कर दिया।

17 जुलाई की रात घर में विवाद, फिर लापता हो गए छोटेलाल

बराइन गांव निवासी छोटेलाल (50) खेती-किसानी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिवार में पत्नी केश कुमारी (48), बेटी छाया (19) और बेटा सतीश (25) हैं। सतीश मुंबई के अंबरनाथ कल्याण मोहल्ले में रहकर पास की राजा बेकरी में काम करता है। सतीश ने बताया कि घर में एक ही मोबाइल है, जो ज्यादातर बहन इस्तेमाल करती थी। 16 जुलाई को आखिरी बार पिता से बात हुई थी। 17 जुलाई को मां ने बताया कि रात में बहुत बवाल हुआ। उन्हें मारपीट कर पिता कहीं चले गए। मुझे लगा कि गुस्सा ठंडा होने पर वापस आ जाएंगे। अगले दिन फिर से बहन को फोन कर पिता से बात कराने को कहा। उसने टाल दिया।

डेढ़ साल की बच्ची की टब में डूबकर मौत

बाराबंकी में घर के अंदर हुआ हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

रामनगर। बाराबंकी के रामनगर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर खरगी गांव में गुरुवार दोपहर घर के अंदर खेल रही डेढ़ वर्षीय बच्ची की पानी से भरे टब में डूबने से मौत हो गई। बच्ची के काफी देर तक दिखाई नहीं देने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। इसी दौरान वह नल के पास रखे पानी से भरे टब में पड़ी मिली। परिजनों ने उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

रामपुर खरगी गांव निवासी रविंद्र कुमार की डेढ़ वर्षीय बेटी रूहानी उर्फ कल्लो घर में खेल रही थी। खेलते समय वह नल के पास रखे पानी से भरे टब के पास पहुंच गई। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह टब में गिर गई। काफी देर तक बच्ची दिखाई नहीं दी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। घर में खोजबीन के दौरान बच्ची पानी से भरे टब में पड़ी मिली। परिजनों ने आनन-फानन में उसे बाहर निकाला, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। रामनगर कोतवाल अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि बच्ची की मौत की सूचना मिली थी।

नारेबाजी : जाम में फंसे मंत्री ने गाड़ी से उतरकर समझाया, प्रिंसिपल बोले- मुझे शर्म आ रही

टीचरों की कमी पर लखनऊ में सड़क पर उतरे जेन-अल्फा

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। लखनऊ के पारा में शुक्रवार को जेन अल्फा स्टूडेंट्स ने आगरा एक्सप्रेसवे से लिंक रोड पर जाम लगा दिया। इस दौरान वहां से गुजर रहे समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री असीम अरुण भी जाम में फंस गए। वह गाड़ी से उतरकर छात्रों से मिले। बातचीत करके उन्हें समझाया और स्कूल वापस ले गए।

सड़क पर जाम लगाने वाले छात्र मोहान रोड पर बने सर्वोदय विद्यालय के थे। जो समाज कल्याण विभाग से ही संचालित होता है। छात्र नारेबाजी करते हुए विद्यालय में टीचरों की संख्या बढ़ाने की मांग कर रहे थे। छात्रों के प्रदर्शन से करीब 1 घंटे तक सड़क के दोनों ओर जाम लगा रहा।

छात्र जहां प्रदर्शन कर रहे थे, आगरा एक्सप्रेसवे यहां से केवल 1 किमी दूर है। मोहान रोड स्थित सर्वोदय विद्यालय में इस समय करीब 450 छात्र पढ़ रहे हैं। यहां पर बच्चों के रहने-खाने और पढ़ाई की सुविधा पूरी तरह फ्री रहती है। छात्रों को विद्यालय प्रशासन की मदद से विद्यालय के अंदर ले जाया गया। वहां पर समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री असीम अरुण भी पहुंच गए। उनके सामने हॉल में प्रिंसिपल विनोद कुमार ने छात्रों से बात की। उन्होंने कहा कि आपने अपनी बात रखी, यह अच्छी बात है लेकिन इस तरह से रखी, यह अच्छा नहीं कहा जा सकता।

छात्रों का जाम खुलवाने में पुलिस भी जूझी

छात्रों ने आरोप लगाया कि उनके विद्यालय में पर्याप्त टीचर नहीं हैं। टीचरों की कमी के कारण सभी कक्षाओं की पढ़ाई समय पर पूरी नहीं हो पा रही है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। विद्यालय में जल्द से जल्द टीचरों की भर्ती की जाए ताकि उनकी पढ़ाई सही से चल सके।

जाम की सूचना मिलते ही पारा पुलिस मौके पर पहुंची। प्रदर्शनकारी छात्रों को समझाकर किसी तरह जाम खुलवाया गया। पुलिस को इस दौरान करीब 1 घंटे की मशक्कत करनी पड़ी। छात्रों के सड़क पर आने के करीब 1 घंटे बाद 1:20 बजे सड़क को खाली कराया जा सका।

नागपंचमी पर गोरखनाथ मंदिर में होगी दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता

प्रत्येक खिताब के विजेता को मिलेगा 1.01 लाख रुपये का पुरस्कार

- पुरस्कार वितरण एवं उत्साहवर्धन के लिए मौजूद रहेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार और वीर अभिमन्यु खिताब के लिए होगा मुकाबला

तमसा संकेत, संवाददाता

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर परिसर में नागपंचमी के पावन पर्व के उपलक्ष्य में वर्षों से होने वाली पारंपरिक कुश्ती प्रतियोगिता 16 और 17 अगस्त को होगी। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप विगत कुछ साल से प्रदेश स्तरीय स्वरूप वाली हो चुकी इस कुश्ती प्रतियोगिता में इस बार तीनों खिताबों के विजेताओं को 1.01 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रदेश शासन के खेल विभाग एवं जिला कुश्ती संघ की तरफ से आयोजित दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबलों में पहलवानों के उत्साहवर्धन और विजेताओं को पुरस्कृत करने के लिए मुख्यमंत्री 17 अगस्त को स्वयं उपस्थित रहेंगे।

जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय पहलवान दिनेश सिंह ने बताया कि नागपंचमी पर्व पर देशज खेलों की प्राचीन परंपरा रही है। गोरखनाथ मंदिर का भी इस परंपरा से गहरा जुड़ाव है। मंदिर में हर वर्ष इस पर्व पर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन होता है। कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए, गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बीते कुछ साल से प्रतियोगिता का स्वरूप विराट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार व वीर अभिमन्यु तीन वर्गों में होगी।

राइफल से गर्दन में मारी गोली ■ पति और दो बेटियों के साथ किराए पर रहती थी

सिपाही की पत्नी ने की खुदखुशी

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में शुक्रवार सुबह 11 बजे सिपाही की पत्नी ने सरकारी रायफल से खुद को गर्दन में गोली मार ली। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, महिला की पहचान सरिता (33) के रूप में हुई है। उसके पति रिंकू सिंह (37) पुलिस में सिपाही हैं। उनकी दो बेटियां हैं। परिवार मनीष कुमार के मकान में करीब 2 साल से किराए पर रह रहा था।

जब सरिता ने सुसाइड किया, तब रिंकू सिंह दूसरे कमरे में दोनों बेटियों के साथ थे। सुसाइड की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। घटना के बाद दोनों बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामला सदर बाजार क्षेत्र के हकीकत नगर का है। पड़ोसियों के अनुसार, रिंकू सिंह (37) मेरठ के हस्तिनापुर के रहने वाले हैं। वह 2016 बैच के सिपाही हैं। वर्तमान में सहारनपुर में खनन विभाग की गार्द में तैनात हैं। सिपाही रिंकू की शादी बिजनौर की रहने वाली सरिता (33) से 2019 में हुई थी। रिंकू और सरिता की दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी ज्योत्सना (5) और छोटी बेटी श्रद्धा (3) साल की है। रिंकू सिंह करीब तीन साल पहले ट्रांसफर होकर सहारनपुर आए थे। तभी से वह दो कमरों के किराए के मकान में पत्नी और बेटियों के साथ रह रहे थे। सरिता का भाई नवीन सिंह भी सहारनपुर में सब इंस्पेक्टर है। सिपाही की पत्नी की मौत की सूचना पर डीआईजी अभिषेक सिंह और एसएसपी अभिनंदन सिंह मौके पर पहुंचे। सिपाही की पत्नी की मौत की सूचना पर डीआईजी अभिषेक सिंह और एसएसपी अभिनंदन सिंह मौके पर पहुंचे।

पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी

गोली चलने की आवाज सुनकर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। सदर बाजार पुलिस टीम मौके पर पहुंची। डीआईजी अभिषेक सिंह और एसएसपी अभिनंदन सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों से घटना की जानकारी ली। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

> **पुलिस पारिवारिक विवाद, मानसिक तनाव समेत सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की परिस्थितियां पूरी तरह स्पष्ट हो सकेंगी।**

शुक्रवार सुबह रिंकू सिंह ने शराब पी रखी थी। वह दोनों बेटियों के साथ दूसरे कमरे में थे। करीब 11 बजे दूसरे कमरे से गोली चलने की आवाज आई। रिंकू तुरंत कमरे में पहुंचे। वहां सरिता फर्श पर खून से लथपथ पड़ी थीं। उनके पास रायफल पड़ी थी। दोनों बेटियां भी गोली की आवाज सुनकर कमरे के पास पहुंच गईं। रिंकू ने उन्हें दूर से ही बाहर जाने के लिए कहा। इसके बाद दोनों बेटियां कमरे से बाहर चली गईं। कुछ देर बाद रिंकू ने अपने मामा के बेटे को फोन कर बताया कि सरिता ने खुद को गोली मार ली है।

■ सिपाही की पत्नी की मौत की सूचना पर डीआईजी अभिषेक सिंह और एसएसपी अभिनंदन सिंह मौके पर पहुंचे।

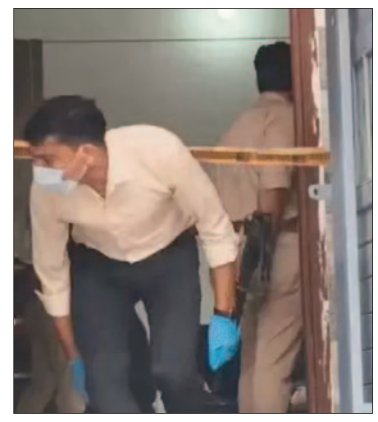

■ सिपाही की पत्नी सरिता अपनी बेटियों के साथ इसी कमरे में रहती थी।

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन मल्लिकार्जुन खड़गे के अपमान का आरोप

प्रदर्शनकारी बोले- हल्द्वानी में किया गया शुद्धिकरण शर्मनाक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार शाम 6:30 बजे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के जाने के बाद शुद्धिकरण करने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। कांग्रेस मुख्यालय से निकलकर विधान भवन की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं को 100 मीटर के बाद पुलिस ने ट्रिपल बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में जमकर नोकझोंक हुई। प्रदर्शनकारी लगातार आगे बढ़ाने की कोशिश करते रहे, मगर पुलिस ने जाने नहीं दिया। मल्लिकार्जुन खड़गे का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान का नारा लगाते रहे। करीब आधे घंटे कांग्रेस कार्यकर्ता नारेबाजी करते रहे उसके बाद ज्ञापन देखकर प्रदर्शन को खत्म किया। शहर कमेटी अध्यक्ष अमित त्यागी ने कहा कि खड़गे लोकसभा और राज्यसभा के कई बार सदस्य रहे हैं। उनके जाने पर हल्द्वानी में जिस तरह से शुद्धिकरण किया गया यह बेहद शर्मनाक है। यह सीधे तौर पर दलित और शोषित समाज से आने वाले व्यक्ति का अपमान है।

इस देश में जहां कहीं भी किसी व्यक्ति का अपमान होगा कांग्रेस पार्टी चट्टान की तरह खड़ी नजर आएगी। सरकार में बैठे हुए लोगों को माफी मांगना चाहिए। ऐसी मानसिकता रखने वाले लोगों को सजा मिलनी चाहिए उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हो। हमारी मांग है कि लोकतंत्र को जीवित रखा जाए । आज हमें आगे बढ़ने से रोक लिया मगर यह आंदोलन रुकने वाला नहीं।

कांग्रेस नेता शहजाद आलम ने कहा कि मल्लिकाअर्जुन खड़गे का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। खड़गे के जाने के बाद भाजपा समर्थित संगठन ने उसे जगह को साफ करके वहां पर पूजा और शुद्धिकरण किया। ये भाजपा कि मानसिकता को दर्शाता है। सीधे तौर पर भारतीय संविधान के खिलाफ किया गया काम है। भाजपा के लोगों ने संदेश देने कि कोशिश किया है यहां पर कुछ लोगों का राज चलेगा।

एमआईईटी पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी पब्लिक स्कूल की जागृति विहार, पल्लवपुरम और मवाना रोड शाखाओं में स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक एवं गतिविधि-आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को अभिव्यक्त किया।

नन्हे विद्यार्थियों ने देशभक्ति रैली में उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश दिया।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु सिंगल पैकेट पद्धति से ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 11.09.2026 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुवल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेगें, यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा फार्म का मूल्य जमा नहीं करना है तथा निविदाकर्ता को धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि द्वारा करेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

निविदा सूचना संख्या 00792026 दिनांक 13.08.2026

1.	कार्य का नाम	वरि० मण्डल अभियन्ता–तृत्तीय/उ०रे०/लख० के कार्य क्षेत्र में सहायक मण्डल अभियन्ता–वाराणसी के अधीन वरि. खण्ड अभियन्ता/कार्य/वाराणसी के खण्ड में ब्लॉक हट–बी से ब्लॉक हट–को (01/01–01/15) तक कमजोर (प्राथमिकता–I) स्थानों पर गैबियन दीवार और ठेकेदार द्वारा मिट्टी भरने के उपयोग से तटबंध पर ढलान संरक्षण कार्य ।	
2.	अनुमानित लागत	रू. 2,02,05,354.23	
3.	धरोहर राशि	रू. 4,04,100.00	
4.	कार्य की समापन अवधि	क्रम सं० 01 के लिए	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से आठ (08) माह।
5.	निविदा डालने का प्रारंभ	क्रम सं० 01 के लिए	28.08.2026
6.	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	क्रम सं० 01 के लिए	11.09.2026 15:00 बजे
7.	वेबसाईट	www.ireps.gov.in	

नोटः 1. तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्तावों के खुलने के बाद अतिरिक्त दस्तावेज की प्रस्तुति एवं उससे सम्बन्धित निविदा उपरान्त किसी प्रकार के पत्राचार स्वीकार नही किये जायेंगे। निविदादाता के निविदा उपरान्त पत्रो को भी शून्य एवं प्रभावहीन माना जायेगा। (प्रधान कार्यालय उ०रे० नई दिल्ली का **पत्र सं0 74-W/O/Pt.XXV/WA/Loose दिनाँक 07.04.2015**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2806/26

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **11.09.2026 को 15:00 बजे तक** आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेगें, यदि कोई मैनुयल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	00802026 दिनांक 13.08.2026	
2	निविदा संख्या	1. 06-SR-DEN-IV-LKO-2026-27	2. 07-SR-DEN-IV-LKO-2026-27
		3. 08-SR-DEN-IV-LKO-2026-27	
3	कार्य का नाम	1. यार्ड लेआउट के मानकीकरण हेतु SSE/P-Way/SLN-I के सेक्शन में ADEN-I/SLN के अधीन तथा Sr. DEN-IV/LKO के अधिकार क्षेत्र में विविध ट्रैक मरम्मत कार्य।	
		2. यार्ड सुधार एवं यार्ड लेआउट के मानकीकरण से संबंधित विविध ट्रैक मरम्मत कार्य, SSE/P-Way/II/SLN के सेक्शन में ADEN/II/SLN के अधीन तथा Sr. DEN-IV/LKO के अधिकार क्षेत्र में।	
		3. यार्ड लेआउट के मानकीकरण से संबंधित विविध ट्रैक मरम्मत कार्य, SSE/P-Way/UTR के सेक्शन में ADEN/SLN के अधीन तथा Sr. DEN-IV/LKO के अधिकार क्षेत्र में।	
4	अनुमानित लागत	1. रु. 1,37,45,429.16	2. रु. 1,34,24,076.35
		3. रु. 1,79,31,456.28	
5	धरोहर राशि	1. रु. 2,74,900.00	2. रु. 2,68,500.00
		3. रु. 3,58,600.00	
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 09 माह (For SNo. 1 to 3)	
7	निविदा डालने का प्रारंभ	28.08.2026	
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	11.09.2026 को 15:00 बजे	
9	वेबसाईट	www.ireps.gov.in	

नोटः– निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 2811/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप–मुख्य अभियंता/नि.–चतुर्थ/लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा पर मोहर बंद निविदा दो –पैकेट में आमंत्रित की जाती हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान	उप मुख्य अभियंता/सी–IV/लखनऊ के अंतर्गत उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के समपार संख्या 177 के स्थान पर, बाराबंकी स्टेशन यार्ड में कि.मी. 1067.590 पर, लखनऊ–अयोध्या खंड, लखनऊ मंडल 2–लेन सड़क ऊपरी पुल (आर.ओ.बी.) का निर्माण जिसमें पहुँच मार्ग भी शामिल हैं,
2	निविदा फॉर्म का मूल्य	शुन्य
3	कार्य पूरा करने की अवधि	18 (आटठारह) माह
4	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 6664.30 लाख
5	धरोहर राशि	रु. 1,33,28,600.00
6	ई–निविदा जमा करने की तारीख/समय एवं निविदा खुलने की तारीख	**क.** निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 22.09.2026 समय 15.00 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** **ख.** • पूर्व–निविदा बैठक की तिथि, समय एवं स्थान – 31.08.2026 पूर्वाह्न 11:30 बजे, उप मुख्य अभियंता/निर्माण–IV, लखनऊ का कार्यालय, निकट सेवाग्राम कॉलोनी, चारबाग, लखनऊ। • निविदा जमा करने की प्रारंभ तिथि 08.09.2026 • निविदा के कार्य की समान प्रकृति और इवैल्यूएशन के लिए विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र शर्तों के साथ तिथि 24.08.2026 से आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है **ग.** निविदा दिनांक 22.09.2026 को समय 15.00 बजे खोली जाएगी।

संख्या 90–टेण्डर/उप–मुख्य अभियंता/नि.–चतुर्थ/लखनऊ, दिनांक 14.08.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2814/26

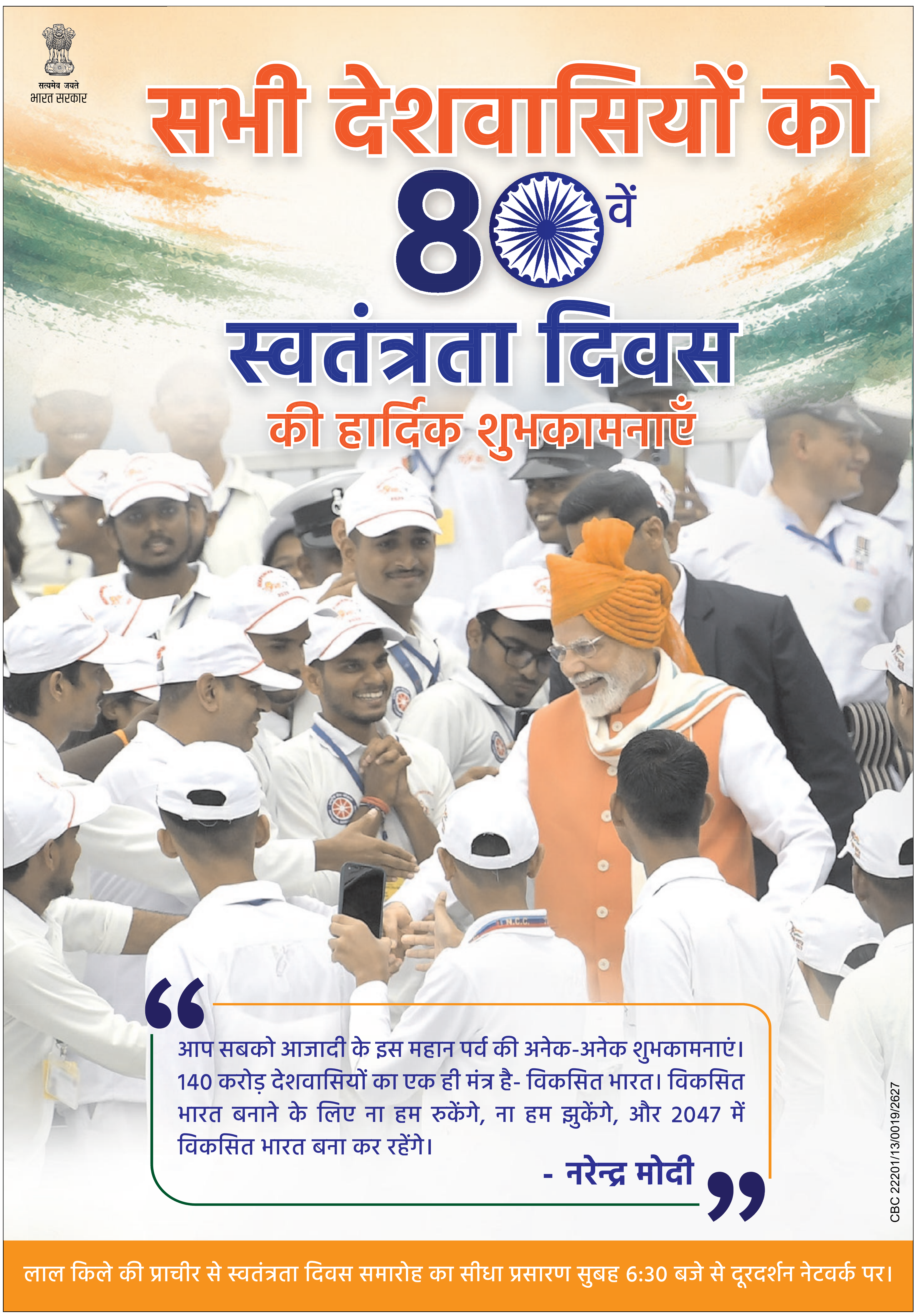

सम्पादकीय

लोकतंत्र की त्रासदी

संसद का मानसून सत्र जिस तरह समाप्त हुआ, वह लोकतंत्र के लिए एक शोकांतिका है। संसद के इस सत्र में अधिकतर समय हंगामा हुआ और जो विधेयक पारित भी हुए, उनमें से अधिकांश बिना चर्चा के पारित हो गए। केवल पेपरलीक विरोधी कानून में संशोधन वाले विधेयक पर चर्चा हो सकी, लेकिन इसका श्रेय विपक्ष को नहीं, नीट मामले में धरना-प्रदर्शन करने वाली काकरोच जनता पार्टी को जाता है।

तथ्य यह भी है कि विपक्ष ने इस विधेयक पर चर्चा के समय पेपरलीक कानून के प्रविधानों पर कुछ कहने के बजाय अन्य मुद्दों को तूल दिया। सत्तापक्ष इससे संतुष्ट हो सकता है कि उसके एजेंडे के अधिकांश विधेयक पारित हो गए, लेकिन संसद इसलिए नहीं होती कि विधेयक बिना किसी चर्चा के पारित हो जाएं। जब कोई विधेयक बिना किसी चर्चा के पारित होता है तो उसके गुण-दोष से जनता अवगत नहीं हो पाती।

गुण-दोष का उल्लेख करने की जिम्मेदारी जिस विपक्ष पर होती है, उसने अपने ही हाथों उसे गंवाना बेहतर समझा। बिना चर्चा के विधेयक पारित होने का एक दुष्परिणाम यह भी होता है कि जो कानून बनते हैं, वे कसौटी पर खरे नहीं उतरते। इसीलिए उनमें बार-बार संशोधन करने की नौबत आती है। इसका कारण संसद के विमर्श में आई गिरावट है।

संसद इसलिए होती है कि विधेयकों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हो सके, लेकिन अब संसद में यही काम नहीं होता, क्योंकि विपक्ष की हंगामा करने में दिलचस्पी रहती है तो सत्तापक्ष की हंगामे के बीच जैसे-तैसे अपना काम पूरा करने की। एक तरह से राजनीतिक दल ही संसद की महत्ता कम करने का काम कर रहे हैं। यह वह स्थिति है, जो संसद के प्रति जनता की आस्था को डिगाने वाली है।

संसद लोकतंत्र का एक अनिवार्य एवं महत्वपूर्ण मंच है। इस मंच का निरतंर क्षरण लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं हो सकती कि लोकतंत्र को कमजोर करने का काम संसद के अंदर से हो। विपक्ष इससे संतुष्ट हो सकता है कि उसने संसद के भीतर-बाहर हंगामा करके सदन नहीं चलने दिए, लेकिन इससे उसे कोई लाभ नहीं मिलने वाला, क्योंकि जनता को उसके नारे और पोस्टर नहीं याद रहने वाले। उसे तो यह याद रहेगा कि उसके मुद्दों पर कोई बात ही नहीं हुई। चिंताजनक केवल यह नहीं कि अब संसद में शोर-शराबा ही होता रहता है और हंगामा करने के लिए सांसद अतिरिक्त परिश्रम करते हैं, बल्कि यह भी है कि आरोप-प्रत्यारोप की भाषा का स्तर गिरता जा रहा है। वह छिछली और अशोभनीय होती जा रही है। इसके चलते संसद और सड़क की राजनीति का अंतर खत्म हो रहा है। यदि पक्ष-विपक्ष जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने पर सहमत नहीं हो सकते तो फिर वे जन अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सकते।

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

> इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता।

संसदीय मर्यादाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन

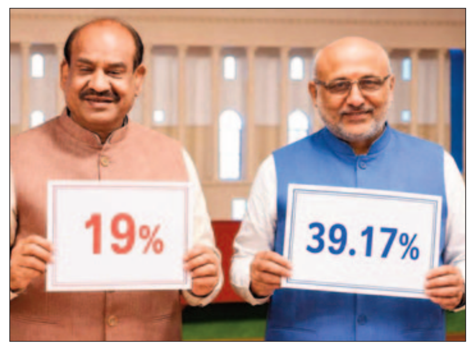

में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया। संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मर्यादा होती है। यदि विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को

ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है।

यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है-जब संसद चल सकती है तो उसे बार-बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्या हम यह भूल गए हैं कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं है? लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-विचारों का सम्मान, असहमति की स्वीकार्यता, संवाद की निरंतरता और निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत उसे शासन करने का अधिकार देता है, लेकिन विपक्ष को सुनने से मुक्त नहीं करता। दूसरी ओर विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध का अधिकार संसद को निष्क्रिय करने का अधिकार नहीं है। अतीत में हमारी संसदीय परंपरा ने अनेक कठिन दौर देखे हैं। तीखी बहसें हुईं, वैचारिक संघर्ष हुए, सरकारों की आलोचना हुई, लेकिन संसद को संवाद का मंच बनाए रखने की कोशिश होती रही। आज आवश्यकता है कि हम उस परंपरा को पुनर्जीवित करें। राजनीतिक दलों को अपने भीतर यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे जनता के बीच जाकर यह कह सकते हैं कि हमने संसद में आपके प्रश्नों के लिए उपलब्ध समय का पूरा उपयोग किया? क्या कोई सांसद गर्व से कह सकता है कि उसने अपने कार्यकाल के प्रत्येक संसदीय अवसर को राष्ट्रहित में लगाया? संसद में हंगामा करना आसान है, लेकिन संसद चलाना चरित्र, संयम और लोकतांत्रिक परिपक्वता मांगता है।

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री मत्स्य ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

आधुनिक मत्स्य उद्यमिता एवं सरकारी नीतियों से गाजियाबाद में साकार होती नीली क्रांति

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संवर्धन, अंतर्देशीय जल संसाधनों के वैज्ञानिक दोहन और कृषकों की आय में सतत वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित जनकल्याणकारी नीतियों के अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक परिणाम धरातल पर दृष्टिगोचर हो रहे हैं। राज्य के समग्र ग्रामीण परिवेश में परंपरागत प्राथमिक क्षेत्र को आधुनिक, लाभकारी और तकनीकी रूप से सक्षम उद्यम के रूप में रूपांतरित करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के समन्वय से संचालित योजनाओं ने राज्य में अंतर्देशीय मात्स्यिकी को सशक्त बनाकर नीली क्रांति के एक नए युग का सूत्रपात किया है।

इस परिवर्तनकारी अभियान के अंतर्गत जनपद गाजियाबाद के ग्राम पटला निवासी श्री रजनीश कुमार ने आधुनिक सोच, तकनीकी दक्षता और दृढ़ संकल्प के बल पर कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट प्रतिमान स्थापित किया है। अभियांत्रिकी पृष्ठभूमि से जुड़े इस लाभार्थी ने लगभग चौदह वर्षों के दीर्घ बहुराष्ट्रीय कॉर्पोरेट क्षेत्र से अपनी सुदृढ़ आय को त्यागकर ग्रामीण उद्यमिता को अपनाया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और स्वरोजगार के माध्यम से नवाचार स्थापित करने की प्रेरणा ने उन्हें अंतर्देशीय जलीय कृषि के क्षेत्र में कदम रखने के लिए प्रेरित किया। मात्स्यिकी क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के अंतर तथा इसमें निहित असीम व्यावसायिक संभावनाओं का सूक्ष्म अध्ययन करने के पश्चात रजनीश ने आधुनिक तकनीकों के समन्वय से एक नई कार्ययोजना तैयार की। उन्होंने देश के विभिन्न अग्रणी राज्यों का स्थलीय भ्रमण कर वैज्ञानिक पद्धतियों का गहन व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। इसके अंतर्गत रीसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, बायोफ्लॉक, इन-पॉन्ड रेसवे सिस्टम तथा केज कल्चर जैसी उन्नत और भूमि-जल दक्ष प्रणालियों की तकनीकी व्यवहार्यता का जमीनी स्तर पर विश्लेषण किया।

रजनीश ने इन वैज्ञानिक तकनीकों की सफलता से आश्वस्त होकर वर्ष 2017 में पूर्णकालिक रूप से मत्स्य उद्यमिता को अपनाने का निर्णय लिया। इसके उपरांत वर्ष 2018 में जनपद गाजियाबाद के पैतृक गांव पटला में 12 एकड़ भूमि के साथ मत्स्यपालन परियोजना का व्यवस्थित शुभारंभ किया। प्रारंभिक स्तर पर सामने आई तकनीकी, पर्यावरणीय और ढांचागत चुनौतियों का समाधान वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आधुनिक प्रबंधन के आधार पर किया, जिससे उत्पादन प्रणाली को स्थायित्व प्राप्त हुआ।

केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' तथा प्रदेश सरकार के मत्स्य प्रोत्साहन कार्यक्रमों के प्रभावी सहयोग से उन्होंने वित्तीय वर्ष 2018-19 में अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित तालाबों का निर्माण कराया। इन इकाइयों की वार्षिक उत्पादन क्षमता लगभग 150 टन तक सुनिश्चित की गई। सरकारी योजनाओं के अंतर्गत प्रदत्त वित्तीय सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन के सटीक उपयोग से परियोजना को तीव्र गति प्राप्त हुई।

प्राथमिक सफलता के उपरांत लाभार्थी रजनीश द्वारा परियोजना का सुनियोजित विस्तार करते हुए लगभग 50 एकड़ के विशाल क्षेत्र में व्यावसायिक

दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मत्स्य प्रजातियों का वैज्ञानिक उत्पादन प्रारंभ किया गया। इसके अंतर्गत इंडियन मेजर कार्प तथा पंगेशियस जैसी प्रमुख प्रजातियों के संवर्धन पर विशेष बल दिया गया। उन्नत जल प्रबंधन, घुलित ऑक्सीजन के निरंतर नियमन और बायो-सिक्योरिटी मानकों के कड़े अनुपालन ने उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की।

मत्स्य उत्पादन की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2019 में उनके द्वारा उच्च गुणवत्तायुक्त मत्स्य बीज उत्पादन के लिए अत्याधुनिक हैचरी एवं सीड बैंक की स्थापना की गई। लगभग 20 लाख बीज उत्पादन क्षमता वाली इस इकाई ने क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज की उपलब्धता को सहज और सुलभ बनाया। इसके माध्यम से बीज आपूर्ति के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भरता पूरी तरह समाप्त हुई।

वर्ष 2020 में केंद्र सरकार के सक्षम बोर्ड के सहयोग से फार्म का विधिवत पंजीकरण कराते हुए रजनीश ने कैटफिश बीज उत्पादन तथा उन्नत नर्सरी विकास के माध्यम से व्यावसायिक गतिविधियों को नई ऊंचाई प्रदान की। आधुनिक इन्क्यूबेशन तकनीकों के उपयोग से हैचिंग दर और फ्राई सर्वाइवल दर में अभूतपूर्व सुधार दर्ज किया गया, जिससे स्थानीय स्तर पर मत्स्य बीज की आपूर्ति अत्यंत किफायती दरों पर संभव हो सकी। उत्पादन के साथ-साथ विपणन व्यवस्था को पारदर्शी और सुदृढ़ बनाने के लिए एक प्रभावी जीवित मछली विपणन प्रणाली विकसित की गई। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के समीप स्थित होने के भौगोलिक लाभ का उपयोग करते हुए उपभोक्ताओं को सीधे ताजा और गुणवत्ता-पूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराया गया। इस सीधी विपणन व्यवस्था ने बिचौलियों की मध्यस्थता को पूरी तरह समाप्त कर दिया, जिससे उत्पादक को उच्च लाभ और उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर गुणवत्ता-पूर्ण उत्पाद मिलना सुनिश्चित हुआ।

जनपद गाजियाबाद में स्थापित यह उन्नत मत्स्य फार्म केवल एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान तक सीमित न रहकर आधुनिक कृषि ज्ञान के प्रसार का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है।

इस प्राचीन...

केवल राम

लोधेश्वर महादेव मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्वार से श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर बुनियादी सुविधा

प्रदेश के जनपद बाराबंकी के प्राचीन लोधेश्वर महादेव मंदिर को शीघ्र ही भव्य पर्यटन स्वरूप मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की दूरदर्शी पहल पर पर्यटन विभाग द्वारा स्वीकृत लगभग 48.79 करोड़ रुपये की समेकित पर्यटन विकास परियोजना के तहत मंदिर परिसर में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। यह परियोजना न केवल धार्मिक आस्था के केंद्र को और अधिक सुगम बनाएगी, बल्कि पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए हाईटेक विजिटर फैसिलिटी - कॉम्प्लेक्स भी तैयार करेगी। इसके साथ ही यहाँ परकोटा का कवर्ड कारीडोर भी आकर्षण का केंद्र बनेगा।

इस मंदिर का इतिहास कथाओं में भी मिलता है और महाभारत काल से भी जुड़ा हुआ है। मान्यता के अनुसार अज्ञातवास के दौरान पाण्डवों ने इस क्षेत्र में निवास किया था और महर्षि वेदव्यास की प्रेरणा से यहां रूद्र महायज्ञ कराया था। परिसर में स्थित पाण्डवों का कूप इसी इतिहास का साक्षी है। महाशिवरात्रि, श्रावण और कजरी तीज के अवसर पर यहां विशाल मेला लगता है और लाखों श्रद्धालु दर्शन और जलाभिषेक के लिए आते है। एक मान्यता यह भी है कि एक शिवभक्त लोधेराम अवस्थी के नाम पर इस पावन स्थल का नाम लोधेश्वर महादेव पड़ा।

अगले वर्ष अक्टूबर तक पूरा होगा मेगा प्रोजेक्ट- लोधेश्वर महादेव धाम इस क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। यहां आधुनिक सुविधाओं के विस्तार से श्रद्धालुओं को आरामदायक प्रवास, सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा और बेहतर व्यवस्था मिलेगी। प्रवेश द्वार, कवर्ड कॉरिडोर, क्लॉक रूम, मेडिकल सेंटर और कमांड सेंटर जैसी सुविधाएं परिसर को हाईटेक विजिटर फैसिलिटी कॉम्प्लेक्स का रूप देंगी। लैंडस्केपिंग और दुकानों की व्यवस्था से पर्यटन अनुभव और समृद्ध होगा। इस मंदिर का जीर्णोद्वार एवं सौंदर्यीकरण कुल 12980 वर्गमीटर क्षेत्र में हो रहा है।

इस प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्वार कार्य में प्रवेश द्वार पांच नग, लैंडस्केप एरिया 2734 वर्गमीटर, परकोटा कवर्ड कॉरिडोर 3.25 मीटर चौड़ाई और 652 रनिंग 111 मीटर लंबाई, क्लॉक रूम 412 वर्गमीटर, पुरुषों के लिए 26, महिलाओं के लिए 26 तथा 100 दिव्यांगजनों के लिए चार टॉयलेट, पेयजल व्यवस्था, सिक्योरिटी स्टाफ हॉल, नौ दुकानें, सीसीटीवी सिस्टम, कंट्रोल रूम एवं कमांड सेंटर, पेंट्री तथा मेडिकल सेंटर जैसी सुविधाओं का निर्माण कार्य शामिल है। इन सुविधाओं से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी और परिसर आधुनिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा।

यहां का प्राचीन एवं पवित्र शिव मंदिर धार्मिक स्थल लोधेश्वर महादेव सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। मंदिर को आधुनिक पर्यटन का स्वरूप दिया जा रहा है। भूमि संबंधी बाधाओं के बावजूद अब कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है। यह परियोजना आस्था और पर्यटन का सुंदर संगम बनेगी। जिला प्रशासन इस महत्वपूर्ण विकास कार्य की नियमित निगरानी कर रहा है ताकि निर्धारित समय में पूर्ण गुणवत्ता के साथ काम पूरा हो सके।

आजादी की पहली पुकार: तिलका मांझी का उलगुलान

स्वतंत्रता दिवस केवल उस तारीख को याद करने का अवसर नहीं है, जब भारत ने औपनिवेशिक शासन से मुक्ति पाई। यह उन संघर्षों और बलिदानों को स्मरण करने का दिन भी है, जिन्होंने आजादी की जमीन तैयार की। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का पहला व्यापक स्वतंत्रता संग्राम सामान्यतः 1857 को माना जाता है, लेकिन अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ प्रतिरोध का बिगुल उससे बहुत पहले बज चुका था। बिहार के राजमहल और संथाल परगना की पहाड़ियों में अठारहवीं सदी के उत्तरार्ध में तिलका मांझी की अगुवाई में हुआ संघर्ष इसी इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है।

1857 से लगभग सात दशक पहले अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देने वाले तिलका मांझी इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं कि उनका संघर्ष केवल विदेशी शासन के खिलाफ नहीं था, बल्कि जमीन, जंगल और जीवन पर समुदाय के अधिकार का संघर्ष भी था। उनके प्रतिरोध में अपनी धरती, अपनी आजीविका और अपनी सामाजिक व्यवस्था को बचाने की बेचैनी स्पष्ट दिखाई देती है। अंग्रेजी सत्ता के आगमन से पहले राजमहल की पहाड़ियों और जंगल-तराई का जीवन अपनी विशिष्ट सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था पर टिका था। पहाड़िया आदिवासी मुख्यतः आखेट, खाद्य-संग्रह, झूम खेती और जंगल से मिलने वाले उत्पादों पर निर्भर थे। लकड़ी, फल-फूल, पत्ते और जड़ी-बूटियां उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा थीं। जंगल उनके लिए कोई बाजारू संसाधन नहीं, बल्कि जीवन और संस्कृति का आधार था। मैदानी भागों के जमींदारों और पहाड़िया सरदारों के बीच भी एक पारंपरिक संबंध कायम था। इसके तहत पहाड़िया सरदारों को नजराना और व्यापारियों से चुंगी मिलती थी तथा बदले में वे सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते थे। यह व्यवस्था स्थानीय सामाजिक संतुलन का हिस्सा थी। ईस्ट इंडिया कंपनी के विस्तार ने इस संतुलन को तोड़ दिया। राजस्व वसूली, भू-बंदोबस्त और जमीन पर मालिकाना अधिकार की नई व्यवस्था ने आदिवासी समाज के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया।

कुमार कृष्णन

जरा हटके

सभागार में साझा...

आदर अदीब पावेल बन्धु

विभाजन की विभीषिका को स्मरण कर एकता का संकल्प

भारत के इतिहास में स्वतंत्रता का क्षण जितना गौरवपूर्ण था, उसके साथ जुड़ी विभाजन की त्रासदी उतनी ही पीड़ादायक थी। 15 अगस्त 1947 को देश ने पराधीनता की बेड़ियां तोड़कर स्वतंत्रता का सूर्य देखा, लेकिन इसी कालखंड में लाखों लोगों ने अपने घर, परिवार, संपत्ति और जन्मभूमि से बिछुड़ने का असहनीय दर्द भी झेला। विभाजन केवल भारत के भूगोल का बंटवारा नहीं था, बल्कि यह करोड़ों मनुष्यों की भावनाओं, स्मृतियों और जीवन की दिशा को बदल देने वाली ऐतिहासिक त्रासदी थी। विभाजन के दौरान लाखों लोगों को अपना घर-बार छोड़कर अनजान स्थानों की ओर पलायन करना पड़ा। अनेक परिवार अपनों से बिछड़ गए, असंख्य लोगों ने अपने प्राण गंवाए और बड़ी संख्या में लोगों ने वर्षों तक विस्थापन की पीड़ा को अपने हृदय में संजोए रखा। यह पीड़ा केवल उस पीढ़ी तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनकी स्मृतियों और अनुभवों के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों तक पहुंची। इसलिए विभाजन की विभीषिका को स्मरण करना इतिहास के एक दुखद अध्याय को दोहराना नहीं, बल्कि उससे सीख लेकर भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाने का संकल्प लेना है। इसी भाव और संवेदना के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विभाजन की त्रासदी में अपने प्राण गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देना, विस्थापन का दंश झेलने वाले परिवारों के संघर्ष और साहस को सम्मान देना तथा नई पीढ़ी को उस दौर की पीड़ा से परिचित कराना है। यह दिवस राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता के महत्व को भी रेखांकित करता है। इस अवसर पर लखनऊ में सरदार पटेल पार्क में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर विभाजन की विभीषिका में पीड़ित हुए लोगों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दोनों उपमुख्यमंत्रियों तथा मंत्रिमंडल के सदस्यों ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पश्चात सरदार पटेल पार्क से लोकभवन तक मौन यात्रा निकाली गई। मौन यात्रा उस पीड़ा के प्रति संवेदना की अभिव्यक्ति थी, जिसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं। यह मौन उन लाखों लोगों की स्मृतियों के सम्मान के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक बना।

सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अपना विशेष महत्व है। भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान अतुलनीय रहा। उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से देश को एकता के सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया। ऐसे महान राष्ट्रनायक की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि और उसके बाद निकली मौन यात्रा ने विभाजन की पीड़ा और राष्ट्रीय एकता के संकल्प को एक साथ जोड़ दिया। मौन यात्रा के पश्चात लोकभवन के सभागार में विभाजन की त्रासदी से प्रभावित विभिन्न धर्मों के लोगों ने अपने जीवन की पीड़ादायक स्मृतियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विभाजन के दौरान उन्हें अपने घरों, परिचित परिवेश और प्रियजनों से बिछड़ना पड़ा। उनके अनुभवों में पीड़ा भी थी, संघर्ष भी था और विपरीत परिस्थितियों में जीवन को फिर से खड़ा करने का अदम्य साहस भी। सभागार में साझा की गईं ये आपबीती केवल व्यक्तिगत कहानियां नहीं थीं, बल्कि इतिहास के उस दौर की जीवंत स्मृतियां थीं, जिन्होंने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभाजन पीड़ितों की आपबीती को संवेदनशीलता के साथ सुना और उनका सम्मान किया। विभाजन की पीड़ा झेलने वाले लोगों को सम्मानित करना उस पीढ़ी के साहस, धैर्य और संघर्ष को नमन करना है, जिसने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने जीवन को पुनः स्थापित किया और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके अनुभव यह बताते हैं कि मनुष्य का साहस किसी भी विपदा से बड़ा होता है और राष्ट्र की चेतना किसी भी त्रासदी के बाद पुनः उठ खड़ी होने की क्षमता रखती है। विभाजन की त्रासदी से पीड़ित विभिन्न धर्मों के लोगों का एक मंच पर अपनी पीड़ा साझा करना भारतीय समाज की उस सांस्कृतिक शक्ति का भी प्रतीक है, जिसमें विविधता के बावजूद एकता और मानवीय संवेदना सर्वोपरि है। विभाजन ने लोगों को बांटा था, लेकिन समय ने यह भी सिद्ध किया कि भारत की आत्मा को स्थायी रूप से विभाजित नहीं किया जा सकता। पीड़ितों की स्मृतियों को सम्मान देना इसी मानवीय एकता का संदेश देता है। वर्तमान सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाना इस बात का प्रमाण है कि इतिहास के इस पीड़ादायक अध्याय को विस्मृत नहीं होने दिया जा रहा है। स्मृति दिवस के माध्यम से युवा पीढ़ी को यह समझने का अवसर मिलता है कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द कितने महत्वपूर्ण हैं। इतिहास की गलतियों से सीख लेकर ही एक ऐसा भविष्य बनाया जा सकता है, जहां समाज में अविश्वास और वैमनस्य के लिए कोई स्थान न हो। विभाजन की पीड़ा हमें यह भी सिखाती है कि राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी सीमाओं में नहीं, बल्कि नागरिकों के बीच विश्वास, सद्भाव और एकता में निहित होती है। भारत की विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अलग-अलग धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं के लोग जब राष्ट्रहित के एक सूत्र में बंधते हैं, तभी भारत की वास्तविक शक्ति प्रकट होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम इसी व्यापक संदेश को सामने रखता है कि अतीत की पीड़ा को स्मरण करते हुए वर्तमान को सजग और भविष्य को सुरक्षित बनाया जाए। सरदार पटेल पार्क में पुष्पांजलि, लोकभवन तक मौन यात्रा और विभाजन पीड़ितों की आपबीती सुनना—इन सभी गतिविधियों ने मिलकर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को संवेदना, श्रद्धा और राष्ट्रीय संकल्प का स्वरूप प्रदान किया। विभाजन की विभीषिका का दर्द हमारे इतिहास का ऐसा अध्याय है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता और न ही भुलाया जाना चाहिए।

दो कार्यकाल जिला उपाध्यक्ष रहे नेता को इस बार जिम्मेदारी नहीं

भाजपा की नई टीम से रजनीश सिंह की दूरी ने बढ़ाई सियासी हलचल

सियासत

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। भाजपा की नई जिला टीम के गठन के बाद अब चर्चा केवल नए पदाधिकारियों की नहीं, बल्कि उन चेहरों की भी है जो इस बार टीम का हिस्सा नहीं बने। इनमें डॉ. रजनीश सिंह का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है। लगातार दो कार्यकाल जिला उपाध्यक्ष रहे रजनीश सिंह को नई कमेटी में जगह नहीं मिली है। इस बदलाव ने जिले के संगठनात्मक और खासकर जलालपुर के राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चाओं को हवा दे दी है। नई जिला टीम में

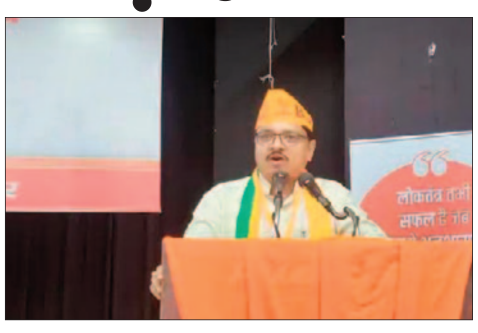

बदलाव के बाद एक नजर इस बात पर भी है कि पार्टी ने किन चेहरों को आगे बढ़ाया है। भाजपा संगठन में समय-समय पर नई जिम्मेदारियों के जरिए नेतृत्व का संतुलन बदला जाता रहा है। रजनीश सिंह को जिम्मेदारी न मिलने को इसी प्रक्रिया का हिस्सा माना जाए या स्थानीय समीकरणों से जोड़कर देखा जाए, फिलहाल इसका स्पष्ट उत्तर नहीं है। इसलिए किसी एक निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। फिलहाल रजनीश सिंह की गैरमौजूदगी को लेकर चर्चा जरूर तेज है, लेकिन इसका राजनीतिक असर आने वाले समय में ही स्पष्ट होगा।

क्या बदलेगा जलालपुर का समीकरण? संगठन में बदलाव के बीच आगे की भूमिका पर टिकी निगाहें

जलालपुर कनेक्शन ने बढ़ाई राजनीतिक दिलचस्पी

रजनीश सिंह की जलालपुर विधानसभा क्षेत्र में सक्रियता और चुनावी टिकट की दावेदारी भी राजनीतिक चर्चा में रही है। यही वजह है कि जिला संगठन में उनकी गैरमौजूदगी को जलालपुर की राजनीति के संदर्भ में भी देखा जा रहा है।

सवाल यह है कि संगठन की नई भूमिका में उन्हें जगह न मिलने का असर उनकी स्थानीय राजनीतिक सक्रियता पर पड़ेगा या वह संगठन से बाहर रहकर भी अपनी राजनीतिक गतिविधियां जारी रखेंगे।

एक नाम, कई राजनीतिक सवाल

रजनीश सिंह लंबे समय से भाजपा की जिला राजनीति में सक्रिय रहे हैं। संगठन में लगातार दो बार जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलना उनकी भूमिका को बताता है। सदस्यता अभियान में भी उनकी सक्रियता चर्चा में रही है। ऐसे में नई टीम में उनका नाम नहीं होना सामान्य संगठनात्मक बदलाव है या इसके पीछे कोई व्यापक रणनीति है, यह सवाल राजनीतिक हलकों में उठ रहा है। हालांकि भाजपा नेतृत्व ने इस बदलाव को लेकर कोई आधिकारिक कारण सार्वजनिक नहीं किया है।

नई टीम की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर रजनीश सिंह के समर्थन में कई प्रतिक्रियाएं सामने आईं। समर्थकों ने उनके पुराने संगठनात्मक दायित्व और सदस्यता अभियान में सक्रियता का हवाला देते हुए नई टीम में स्थान नहीं मिलने पर सवाल उठाए।

कुछ समर्थकों ने इसे राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से भी जोड़ा है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। भाजपा संगठन ने भी इसे लेकर कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण नहीं दिया है।

विभाजन की त्रासदी से लेकर नशामुक्ति तक देव इंद्रावती महाविद्यालय में कार्यक्रम

नशामुक्त युवा अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम में लिया संकल्प

तमसा संकेत, संवाददाता

कटेहरी (अंबेडकरनगर)। कटेहरी ब्लॉक स्थित देव इंद्रावती महाविद्यालय में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में हुआ। इसी के साथ महाविद्यालय और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से नशामुक्त युवा अभियान के तहत भी जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

संगोष्ठी में प्राचार्य डॉ. एबी सिंह ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस 1947 के विभाजन के दौरान पीड़ित लोगों की स्मृति से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि यह दिवस सामाजिक विभाजन और असामंजस्य को दूर करने तथा एकता और सामाजिक सद्भाव को

मजबूत करने के संदेश से जुड़ा है।

पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेज भान मिश्रा ने कहा कि विभाजन के दौरान बड़ी संख्या में परिवार विस्थापित हुए और अनेक लोगों की जान गई। उन्होंने सामाजिक एकता और सद्भाव बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. नीता मिश्रा ने विभाजन के दौरान हुए विस्थापन और जनहानि से जुड़े आंकड़ों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विभाजन का प्रभाव बड़ी आबादी पर पड़ा और लाखों लोगों को विस्थापन का सामना करना पड़ा। महाविद्यालय और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान' के तहत भी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय संपदा के नुकसान का भी किया उल्लेख

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बीरबल शर्मा ने विभाजन के सामाजिक प्रभाव पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि विभाजन के कारण परिवार और समाज लंबे समय तक प्रभावित हुए। उन्होंने राष्ट्रीय संपदा को हुए नुकसान का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. तेज भान मिश्रा ने किया। आभार कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बीरबल शर्मा ने जताया।

फास्ट न्यूज

जनता इंटर कॉलेज महरूआ में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

महरूआ (अंबेडकरनगर)। जनता इंटर कॉलेज महरूआ गोला में शुक्रवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। प्रधानाचार्य अरुण कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा में विद्यालय के करीब एक हजार छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। तिरंगा यात्रा विद्यालय परिसर से शुरू होकर गुगुर चौराहा होते हुए पेट्रोल पंप तक पहुंची। इसके बाद यात्रा वापस विद्यालय परिसर में आकर समाप्त हुई।

चोटिल कांवरिया की मदद को आगे आए मुख्य आरक्षी

अंबेडकरनगर। कांवड़ यात्रा के दौरान मोटरसाइकिल की टक्कर से घायल हुए एक कांवरिया की अहिरौली थाने में तैनात मुख्य आरक्षी पवन चतुर्वेदी ने मदद की। उन्होंने घायल के हाथ में लगी चोट का उपचार अपने खर्च से कराया।

बताया गया कि कांवड़ यात्रा के दौरान एक कांवरिया मोटरसाइकिल की टक्कर से घायल हो गया था। उसके हाथ में चोट लगी थी। मौके पर मौजूद मुख्य आरक्षी पवन चतुर्वेदी ने उसकी मदद की और इलाज की व्यवस्था कराई।

मुख्य आरक्षी ने घायल के उपचार का खर्च स्वयं उठाया।

कोबरा को मारकर दांत से काटने लगा युवक

बाराबंकी। बाराबंकी में शराब के नशे में एक युवक कोबरा से भिड़ गया। सांप ने युवक को तीन बार डसा। इसके बाद भी युवक ने सांप को नहीं छोड़ा। उसे हाथ की कलाई में लपेट लिया। सांप युवक को काटता रहा, लेकिन उसने नहीं छोड़ा। सांप को मार डाला फिर उसे मुंह से काटने की कोशिश की।

पड़ोसी युवक से सांप को छुड़ाने की कोशिश करते रहे, लेकिन वह नहीं माना। एक तरफ से 4-5 लोग सांप को घसीट रहे थे, दूसरी तरफ से युवक।

विभाजन की त्रासदी में जान गंवाने वालों को पुलिस ने किया नमन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर शुक्रवार को अंबेडकरनगर पुलिस ने विभाजन की त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। कोतवाली अकबरपुर परिसर में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने दो मिनट का मौन धारण किया।

मौन के जरिए विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को याद किया गया। इसके बाद राष्ट्र की एकता, अखंडता और सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

अकबरपुर कोतवाली के साथ जिले के सभी थानों और क्षेत्राधिकारी कार्यालयों में भी विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया गया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर विभाजन के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान पुलिसकर्मियों ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाए रखने की प्रतिबद्धता

अकबरपुर कोतवाली में एसपी प्राची सिंह के नेतृत्व में दो मिनट का मौन, जिलेभर के थानों में भी हुआ आयोजन

दोहराई। साथ ही सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विभाजन की त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्र की एकता, अखंडता और सौहार्द बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

पुलिस विभाग के निर्देशानुसार जिले के सभी संबंधित कार्यालयों में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शासन स्तर पर लंबित मामलों को लेकर आमसभा में जताया रोष, मुख्यमंत्री को पत्र भेजने का निर्णय

दीवानी न्यायालय कर्मचारियों ने उठाई लंबित मांगों के निस्तारण की आवाज

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ की आमसभा की बैठक 8 अगस्त 2026 को लखनऊ स्थित गांधी सभागार में आयोजित हुई। बैठक में प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों और विभिन्न जनपद शाखाओं के प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों से जुड़ी लंबे समय से लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शासन स्तर पर लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर एक माह के भीतर सकारात्मक कार्रवाई की मांग की जाएगी। आमसभा की बैठक में दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ शाखा-अम्बेडकरनगर से प्रान्तीय उपाध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव, प्रान्तीय संगठन सचिव अशोक कुमार

आमसभा में प्रदेश के फास्ट ट्रैक न्यायालयों में कार्यरत संविदा कर्मचारियों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। संघ ने कहा कि इन कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि और नियमितीकरण से संबंधित प्रकरण लंबे समय से शासन स्तर पर लंबित हैं।

प्रशासनिक पदों और ग्रेड पे में बदलाव की मांग

बैठक में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पदों के पुनर्स्थापन की मांग भी उठाई गई। इसके अलावा ग्रेड पे-4600 वाले प्रशासनिक अधिकारी के पदों को राजपत्रित प्रतिष्ठा प्रदान किए जाने तथा मकान किराया भत्ता की दरों में संशोधन किए जाने का मामला भी चर्चा में रहा। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि इन मांगों को लेकर लंबे समय से शासन के समक्ष मामला रखा जा रहा है, लेकिन अभी तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। इसे लेकर आमसभा में संगठन की ओर से रोष व्यक्त किया गया।

ओझा, शाखा अध्यक्ष जगदीश वर्मा, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम नरायन वर्मा, जिला संयोजक अमृत लाल, शाखा उपाध्यक्ष निखिल वर्मा के अलावा श्याम सुन्दर, विवेक मिश्र और प्रभात कुमार वर्मा शामिल हुए। बैठक में प्रान्तीय संघ के संरक्षक डॉ. नृपेन्द्र सिंह, प्रान्तीय अध्यक्ष

कई वर्षों से लंबित हैं पदों से जुड़े मामले

बैठक में कर्मचारी संघ ने कहा कि वर्ष 2021 और 2022 से लंबित पेड अप्रेन्टिस के पदों को समाप्त किए जाने का मामला अभी तक शासन स्तर पर लंबित है। इसके साथ ही कनिष्ठ सहायक के पद से वरिष्ठ सहायक के पद पर पदोन्नति के लिए शिथिलीकरण किए जाने संबंधी प्रस्ताव भी शासन में लंबित बताया गया। संघ के अनुसार, माननीय उच्च न्यायालय की ओर से प्रेषित प्रस्ताव के आधार पर जिला न्यायालय सेवा नियमावली में संशोधन का प्रकरण भी अभी तक लंबित है। संगठन ने इन मामलों में शीघ्र निर्णय लिए जाने की मांग की।

अभिषेक सिंह, प्रान्तीय महासचिव नरेन्द्र विक्रम सिंह, प्रान्तीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित यादव, प्रान्तीय उपाध्यक्ष कुमकुम चौधरी, प्रान्तीय उपाध्यक्ष हरिशंकर श्रीवास्तव और कोषाध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव सहित अन्य प्रान्तीय पदाधिकारी तथा विभिन्न जनपद शाखाओं के अध्यक्ष, सचिव और प्रतिनिधि मौजूद रहे।

तिरंगे के सम्मान में एकजुट हुए पत्रकार

प्रेस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेंद्र वीर सिंह के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले शुक्रवार को तिरंगे के सम्मान में पत्रकारों ने शहर में तिरंगा यात्रा निकाली। प्रेस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेंद्र वीर सिंह और उपाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश पाठक के नेतृत्व में निकली यात्रा में बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर पत्रकार गांधी चौक से कलेक्ट्रेट तक पहुंचे।

प्रेस क्लब के नेतृत्व में आयोजित यात्रा में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े पत्रकार शामिल हुए। आयोजकों के अनुसार, तिरंगा यात्रा का उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त करना और एकता का संदेश देना था। यात्रा में सचिव दीपक कुमार वर्मा, ज्ञानेंद्र पांडेय, संगठन मंत्री रमाकांत पांडेय, राजा, सुशील कुमार उपाध्याय उर्फ काजू, राशिद, सुनील गौड़, प्रमोद वर्मा, रवींद्र वर्मा, प्रवेश कुमार, राकेश

यात्रा में पत्रकारों ने तिरंगे की गरिमा और सम्मान बनाए रखने की प्रतिबद्धता भी जताई

प्रेस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेंद्र वीर सिंह ने कहा, "तिरंगा देश की एकता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। पत्रकारों ने एकजुट होकर तिरंगे के सम्मान में यात्रा निकाली है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और एकता का संदेश देना है।" ज्ञान प्रकाश पाठक ने कहा, "तिरंगे के सम्मान में पत्रकारों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। यात्रा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और ध्वज की गरिमा बनाए रखने का संदेश दिया गया। पत्रकारों ने एकजुट होकर इसमें भाग लिया।"

कुमार तिवारी, लालजी चतुर्वेदी, शुभम सिंह, अमित सिंह, बृजेश कुमार, रवि श्रीवास्तव, राम सजीवन, मोहम्मद जीशान, मनोज कुमार और आरके शर्मा समेत अन्य पत्रकार शामिल रहे।यात्रा कलेक्ट्रेट के निकट आंबेडकर प्रतिमा तक पहुंचने के बाद संपन्न हुई।

गांधी चौक से कलेक्ट्रेट तक निकली यात्रा

तिरंगा यात्रा सुबह करीब 11 बजे शहजादपुर स्थित गांधी चौक से शुरु हुई। यहां से पत्रकार तिरंगा लेकर आगे बढ़े। यात्रा कलेक्ट्रेट के निकट स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा तक पहुंची। यहीं यात्रा का समापन किया गया। यात्रा के दौरान तिरंगे के सम्मान, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया गया। पत्रकारों की मौजूदगी से यात्रा में सहभागिता का माहौल रहा।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर
पताः–विकास भवन, निकट कलक्ट्रेट अम्बेडकरनगर

पत्रांक 749/ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्राली/अनु0सहायक/2026–27/ दिनांक 11 .08.2026

–: ई– प्रोक्योरमेण्ट नोटिस कॉल निविदा :–

महामहिम श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड अम्बेडकरनगर विधान मण्डल स्थानीय क्षेत्र विकास निधि योजनान्तर्गत निर्माण कार्यो की ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए.बी.सी एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। विड डाक्यूमेण्ट के साथ संलग्न बिल आफ क्वांटिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित हैं, जी0सी0टी0 का भुगतना सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार पृथक से किया जायेगा । निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1. कार्य से सम्बंधिते विवरण निम्नवत् है:–

क्र0सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	बिड सिकुरिट (इ0एम0 डी0) (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य या निविदा फीस जी. एस.टी. सहित (यदि आवश्यक हो) (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
1	अम्बेडकर नगर	सारंगपुर प्रहलादपट्टी में काली चौरा से निनका निश्रा के घर तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य	17.76	0.36	500.00+300.00 +54.00=854.00	3 माह
2	अम्बेडकर नगर	हिच्छूपुर में ब्रहम्बाबा से हिच्छूपुर निषाद बस्ती तक खडण्जा कार्य	14.17	0.29	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
3	अम्बेडकर नगर	रोहनपारा सुनील सिंह के घर से बनराजा बस्ती में दुर्गा मंदिर तक इन्टरलाकिंग कार्य	15.40	0.31	500.00+300.00 +54.00=854.00	3 माह
4	अम्बेडकर नगर	ग्राम ऐनवा लछमनपुर में श्रीराम की बाग से रामअशीष मण्डल अध्यक्ष के घर से होते हुए लछमणपुर दलित बस्ती तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य	9.65	0.20	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
5	अम्बेडकर नगर	ग्राम मानिकपुर (बसाइतपुर) ने तरसांवां से बसाइतपुर पिच रोड से किरन सिंह के पाली हाउस होते हुए जयदीप सिंह के खेत तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य	17.34	0.35	500.00+300.00 +54.00=854.00	3 माह
6	अम्बेडकर नगर	पहितीपुर मंशापुर मार्ग से दलित बस्ती पहितीपुर सिवाला तक सी०सी० रोड निर्माण कार्य	8.70	0.18	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
7	अम्बेडकर नगर	ग्राम बासूपुर बनियानी से रूयउपुर पिच मार्ग तक खडण्जा कार्य	13.11	0.27	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
8	अम्बेडकर नगर	प्रा०वि० आमा से नट बस्ती तक सी०सी० रोड़ निर्माण कार्य	9.16	0.19	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
9	अम्बेडकर नगर	धर्मगंज जुवा में पक्की सड़क से मुस्लिम बस्ती होते हुए काली प्रसाद के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	8.72	0.18	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
10	अम्बेडकर नगर	तिलकारपुर के मजरा नगदरपुर में नाला पुलिया से श्री कमलेश विश्वकर्मा के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	12.27	0.25	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
11	अम्बेडकर नगर	अफजल का पुरवा (फरीदीपुर) में मेन पिच रोड़ से पानी टंकी होते हुए श्री स्वामीनाथ के घर तक लेपन कार्य	11.00	0.22	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
13	अम्बेडकर नगर	ग्राम कुर्मीडीहा सरजूशन सत्यप्रकाश के घर होते हुए विष्णुकांत वर्मा के घर के आगे पिच रोड़ तक खडण्जा से लेपन कार्य	9.27	0.19	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह

2. वेवसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि:–18.08.2026 से 17.09.2026 तक
3. विड् डाक्यूमेण्ट डाउनलोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समयः 18.08.2026 को प्रातः 11.00 बजे से ।
4. ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ की तिथि एवं समयः 18.08..2026 को प्रातः 11.00 बजे से ।
5. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि एवं समयः 17.09.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे तक ।
6. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 17.09.2026 को अपरान्ह 3.00 बजे ।
7. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ–पत्र मान्य नही होगा ।
8. निविदा आनलाइन वैब साइट http//etnder.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा ।
9. निविदा आमंत्रण कर्ता को आई0टी0बी0 के क्लाज 09 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि–पत्र जारी करने का अधिकार है । जो किसी भी समाचार–पत्र मे प्रकाशित नही किया जायेगा । सभी सम्भावित निविदा दाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें ।

अधिक जानकारी हेतु कृपया वैब साइट http//etnder.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा विड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें ।सभी सम्भावित निविदा–दाताओं को सलाह दी जाती है कि विड् सम्मिट करने से पूर्व विड् डाक्यूमेण्ट को भली–भॉति पढ़ लें ।

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर
श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की अम्बेडकरनगर

UP 254708 Dt. 13.08.2026
Website: www.upgov.nic.in

तैयारी : नगर पालिका ने घर-घर पहुंचाया तिरंगा, प्रमुख चौराहों और महापुरुषों की प्रतिमाओं को रंगीन रोशनी से सजाया

तिरंगे की रोशनी से जगमगाया अकबरपुर

घर-घर पहुंचाया गया राष्ट्रीय ध्वज

महापुरुषों की प्रतिमाओं पर भी विशेष सजावट

अधिशासी अधिकारी का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। स्वतंत्रता दिवस से पहले अकबरपुर नगर को तिरंगे के रंग में सजाया गया है। 15 अगस्त और 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर नगर पालिका परिषद अकबरपुर ने शहर में विशेष तैयारियां की हैं। प्रमुख मार्गों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया है।

नगर के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं

को भी रंगीन रोशनी से सजाया गया है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर इन स्थानों पर रोशनी की विशेष व्यवस्था की गई है। नगर पालिका परिषद कार्यालय भवन को भी स्वतंत्रता दिवस के लिए सजाया गया है। पालिका प्रशासन के अनुसार शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के साथ राष्ट्रीय पर्व के अनुरूप सजावट की गई है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी ने नगरवासियों से

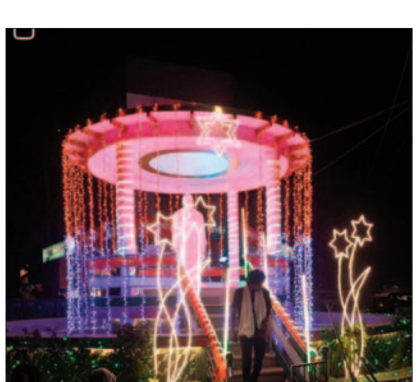

15 अगस्त को घरों, प्रतिष्ठानों और संस्थानों पर सम्मान के साथ तिरंगा फहराने की अपील की। उन्होंने ध्वज संहिता का पालन करते हुए राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नगर पालिका प्रशासन की ओर से शहर को आकर्षक बनाने के लिए सजावट की गई है। साथ ही लोगों से अकबरपुर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई। नगर में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के बीच प्रमुख मार्गों और चौराहों की रोशनी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। 15 अगस्त को लेकर पालिका प्रशासन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

"नगर पालिका के वार्ड प्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने सभी वार्डों में घर-घर जाकर लोगों को राष्ट्रीय ध्वज वितरित किया। पालिका प्रशासन की ओर से लोगों से 15 अगस्त को अपने घरों, प्रतिष्ठानों और संस्थानों पर सम्मान के साथ तिरंगा फहराने की अपील की गई है।

प्रमुख चौराहे रोशनी से हुए रोशन

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर सुनहरी व रंगीन लाइटें लगाई गई हैं। इससे शहर का स्वरूप आकर्षक नजर आ रहा है।

राजकीय हवाई पट्टी, पटेल नगर, तहसील तिराहा, कलेक्ट्रेट परिसर, तिरंगा चौराहा, गांधी चौक, गौहन्ना चौराहा, संघतिया नाका और ओवरब्रिज समेत प्रमुख स्थानों को सजाया गया है।

पनीर में मिलावट के खिलाफ बड़ा अभियान

कार्रवाई

गाजियाबाद, मथुरा और सहारनपुर में 24 विशेष टीमों की छापेमारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश में दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थों, विशेष रूप से पनीर की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बड़े स्तर पर विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। प्राप्त अभिसूचना और जनहित को ध्यान में रखते हुए आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा प्रदेश स्तरीय 24 विशेष प्रवर्तन टीमों का गठन किया गया। इन टीमों ने गाजियाबाद, मथुरा और सहारनपुर की प्रमुख दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थ निर्माण इकाइयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। अभियान के दौरान कुल 25 विनिर्माण इकाइयों पर कार्रवाई की गई, जबकि 3 इकाइयां नॉन-ऑपरेशनल पाई गईं। कार्रवाई के दौरान पनीर निर्माण में औद्योगिक

> विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान विभागीय टीमों ने कुल 72 खाद्य नमूने एकत्र किए। इन नमूनों को आवश्यक जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित इकाइयों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पनीर में औद्योगिक रसायन और खाद्य तेल के इस्तेमाल पर सख्ती

अभियान के दौरान विभागीय टीमों ने पनीर निर्माण की प्रक्रिया, इस्तेमाल किए जा रहे कच्चे माल और निर्माण स्थलों की स्वच्छता की जांच की। कार्रवाई में ऐसे मामले सामने आए, जिनमें पनीर के निर्माण में औद्योगिक प्रयोगार्थ रसायनों तथा पामोलिन ऑयल/रिफाइंड वेजिटेबल ऑयल के इस्तेमाल की बात सामने आई।

प्रयोगार्थ रसायनों तथा पामोलिन ऑयल/रिफाइंड वेजिटेबल ऑयल के प्रयोग के साथ अस्वास्थ्यकर एवं अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों के निर्माण के मामले सामने आए। खाद्य पदार्थों के निर्माण में अस्वच्छ एवं अस्वास्थ्यकर

परिस्थितियों को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने संबंधित इकाइयों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की और संदिग्ध सामग्री को जब्त अथवा नष्ट कराया। प्रवर्तन अभियान के दौरान गंभीर अनियमितताओं के मामलों में कुल छह FIR दर्ज कराई गईं। इनमें पनीर निर्माण में औद्योगिक रसायनों तथा पामोलिन ऑयल/रिफाइंड वेजिटेबल ऑयल के प्रयोग और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में खाद्य पदार्थ तैयार करने से संबंधित पांच प्रकरण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त विभागीय अधिकारियों को सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में एक FIR दर्ज कराई गई। विभागीय विवरण के अनुसार गाजियाबाद में तीन तथा मथुरा में दो प्रकरणों में FIR दर्ज की गई है, जबकि सहारनपुर में भी कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर लगातार निगरानी और प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। विशेष रूप से पनीर जैसे व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले खाद्य पदार्थों में मिलावट और अस्वच्छ निर्माण पर विभाग की टीमें नजर रख रही हैं। विभाग का उद्देश्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ ही उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और हितों की रक्षा करना है।

> 72 नमूने लिए गए, करीब 10 लाख रुपये की 7,686 किलो खाद्य सामग्री नष्ट

7,686 किलो खाद्य सामग्री नष्ट

निरीक्षण के दौरान अस्वास्थ्यकर एवं अस्वच्छ परिस्थितियों में निर्मित पाई गई बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री को मौके पर ही नष्ट कराया गया। विभाग के अनुसार कुल 7,686 किलोग्राम खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये है। इसके अलावा 2,131 किलोग्राम खाद्य सामग्री एवं अपमिश्रक जब्त किए गए। जब्त सामग्री का अनुमानित मूल्य करीब 4.75 लाख रुपये है। इस प्रकार अभियान में कुल 9,817 किलोग्राम खाद्य सामग्री एवं अपमिश्रकों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

विधानभवन, हजरतगंज तिरंगे के रंग में रंगा

लखनऊ में प्रमुख चौराहे और इमारतें भी सजाई गईं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । आजादी के पर्व को मनाने से पहले लखनऊ तीन रंगों की रोशनी से नहाया हुआ है। तिरंगा लाइट्स से शहर की इमारतें और सड़कें सराबोर हैं। रोशनी की सजावट लोगों को आकर्षित कर रही है। यही वजह है कि इन नजारों को लोग अपने मोबाइल फोन के कैमरों में कैद कर रहे हैं।

शाम ढलते ही केसरिया, सफेद और हरे रंग की रोशनी से जगमगाते प्रमुख स्थल शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं। विधानसभा, लोकभवन, जनभवन, सीएम आवास, हजरतगंज, 1090 वीमेन पावर लाइन चौराहा, गोमतीनगर समेत शहर के विभिन्न इलाके जगमगा रहे हैं। प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों के साथ सड़क किनारे पेड़ों पर आकर्षक लाइटिंग के साथ तिरंगे झंडे लगाए गए हैं।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में 10 अवैध निर्माण सील

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) ने अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। शमन मानचित्र स्वीकृत कराने का दावा करके कार्रवाई टालने वाले बिल्डरों और भवन स्वामियों पर शुक्रवार को प्रवर्तन जोन-1 की टीम ने कार्रवाई की। गोमती नगर विस्तार के अलग-अलग सेक्टरों और खरगापुर में अभियान चलाकर 10 अवैध निर्माणों को दोबारा सील किया गया।

ब्रजेश पाठक ने मोबाइल हेल्थ यूनिट्स को किया फ्लैग ऑफ

लखनऊ। यूपी के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए शुक्रवार को मोबाइल हेल्थ यूनिट्स की शुरुआत की गई। स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन, उत्तर प्रदेश शासन और पीडी हिंदुजा हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर के संयुक्त आयोजन में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने हिंदुजा मोबाइल हेल्थ यूनिट्स को फ्लैग ऑफ किया। उन्होंने 'सेविंग लाइव्स एंड बिल्डिंग ए हेल्थियर भारत' राष्ट्रीय अभियान की भी शुरुआत की। ब्रजेश पाठक ने कहा कि इसके तहत महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

लखनऊ में होर्डिंग लगाते समय करंट से युवक की मौत

सरोजनी नगर। लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक मजदूर की होर्डिंग लगाते समय करंट लगने से मौत हो गई। वह खंभे से नीचे गिर गया और अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के मऊ गांव निवासी आशीष गौतम उर्फ छोटू (35) के रूप में हुई है।

राहुल गांधी के खिलाफ सावरकर मानहानि केस रद्द

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जरूरी मंजूरी नहीं ली गई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का एक मामला रद्द कर दिया। केस वीर सावरकर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने और समाज में नफरत फैलाने के आरोपों से जुड़ा था।

यूपी सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि मामले में राहुल गांधी पर मुकदमा चलाने की आधिकारिक मंजूरी नहीं ली गई थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि जब कानूनी मंजूरी ही नहीं है, तो मामला यहीं खत्म हो जाता है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा-सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे में एडिशनल सॉलिसिटर जनरल और शिकायत-कर्ता के वकील ने माना है कि इस मामले में जरूरी मंजूरी नहीं ली गई थी। ऐसी स्थिति में शिकायत और मजिस्ट्रेट की तरफ से जारी सभी आदेशों को खारिज किया जाता है।

विवाद राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान दिए गए एक भाषण से जुड़ा है। 17 नवंबर 2022 को महाराष्ट्र के अकोला जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने सावरकर के खिलाफ टिप्पणियां की थीं। इसके बाद वकील नृपेंद्र पांडेय ने उनके खिलाफ एक निजी आपराधिक शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि राहुल ने जानबूझकर सावरकर का अपमान किया।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना : विभागीय पोर्टल 14 से 24 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन के लिए खुला रहेगा

विभिन्न परियोजनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

तमसा संकेत, संवाददाता

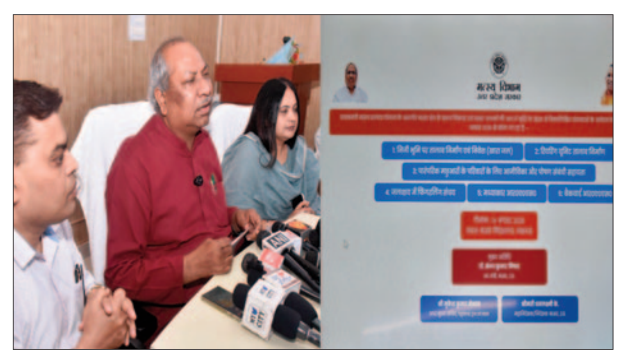

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने आज यहां मत्स्य निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम में बताया कि भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 से संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की अवधि सितंबर 2026 तक बढ़ाई गई है। योजना के अंतर्गत उपलब्ध अवशेष लक्ष्यों के सापेक्ष पात्र लाभार्थियों को लाभ प्रदान करने के लिए विभागीय पोर्टल 14 अगस्त से 24 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन के लिए खोला जा रहा है। योजना के अंतर्गत विभिन्न परियोज-नाओं का विस्तृत विवरण, इकाई लागत, पात्रता, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले आवश्यक अभिलेख तथा अन्य संबंधित जानकारी विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.gov.in पर उपलब्ध है। इच्छुक एवं पात्र लाभार्थी निर्धारित अवधि में पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

योजना के अंतर्गत 06 परियोज-नाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे, जिनमें बड़े क्षेत्र में तालाब निर्माण एवं निवेश-33.93 हेक्टेयर (सामान्य, महिला एवं अनुसूचित जाति वर्ग), मध्य आकार आरएएस (RAS)-03 यूनिट (सामान्य वर्ग), रियरिंग यूनिट का निर्माण-22.667 हेक्टेयर (महिला एवं अनुसूचित जाति वर्ग), बैकयार्ड आरएएस-241 यूनिट (महिला वर्ग), जलाशयों में मत्स्य अंगुलिका संचय-65,000 अंगुलिकाएं (सामान्य, महिला एवं अनुसूचित जाति वर्ग) तथा पारंपरिक मछुआरा परिवारों के लिए आजीविका एवं पोषण संबंधी सहायता-500 यूनिट हैं।

> मत्स्य विकास मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि, जल संसाधनों का बेहतर उपयोग, मत्स्य पालकों की आय में बढ़ोतरी तथा पारंपरिक मछुआरा परिवारों की आजीविका को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। आधुनिक तकनीक आधारित मत्स्य पालन को बढ़ावा मिलने से प्रदेश में मत्स्य क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

अधिक से अधिक पात्र लाभार्थी योजना से जुड़े

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए मत्स्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश में मत्स्य विकास की अपार संभावनाओं को देखते हुए उपलब्ध जल संसाधनों का वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण से समुचित उपयोग सुनिश्चित करने तथा मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के समस्त जनपदों में आवेदन अवधि के दौरान योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थी योजना से जुड़ सकें।

अपाचे मोटरसाइकिल और लकड़ी का डंडा बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

जनसेवा केंद्र संचालक से लूट का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में जनसेवा केंद्र संचालक से हुई लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सर्विलांस सेल जोन दक्षिणी और थाना गोसाईंगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपियों के कब्जे से 1.50 लाख रुपये नकद, लूट के पैसों से खरीदे गए आईफोन 12 प्रो और ओप्पो एफ-33 मोबाइल, पीड़ित के आधार कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस समेत वारदात में इस्तेमाल की गई अपाचे मोटरसाइकिल और लकड़ी का डंडा बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक, 6 अगस्त को महुराकला से महुराखुर्द के बीच मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने राहुल कुमार को रोककर डंडे से हमला किया और उनका बैग लूटकर फरार हो गए थे। मामले में 8 अगस्त को गोसाईंगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस ने पांच टीमें गठित की थीं। टीमों ने करीब 150 से 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जुटाए। जांच के आधार पर पुलिस ने 14 अगस्त की रात चार आरोपियों अरुण कुमार उर्फ गोल्डी, शिवा, चंचल यादव उर्फ लाला और शुभम रावत को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें जानकारी थी कि राहुल कुमार जनसेवा केंद्र का संचालन करते हैं और रात में दुकान बंद करने के बाद बड़ी मात्रा में नकदी लेकर अकेले घर जाते हैं। इसके बाद आरोपियों ने रेकी कर लूट की योजना बनाई। घटना के दिन

> पुलिस ने घटना के संबंध में दर्ज मुकदमे में संबंधित धाराओं में कार्रवाई की है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र और 15 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है।

> पुलिस के अनुसार, लूट की रकम से आरोपियों ने मोबाइल फोन खरीदे और अलग-अलग होटलों में पार्टी भी की। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

दुकान में घुसकर युवक ने महिलाओं के सामने उतारे कपड़े

लखनऊ। लखनऊ में मड़ियांव के फैजुल्लागंज इलाके में जनरल स्टोर की दुकान में घुसकर एक युवक ने महिलाओं के सामने अश्लील हरकत की। आरोप है कि युवक पुराने हिसाब-किताब को लेकर दुकान पर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर वह जबरन दुकान में घुस गया और महिलाओं के सामने कपड़े उतार दिए। घटना दुकान में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। जिसका वीडियो अब सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, प्रीति नगर फैजुल्लागंज में महिला किराए पर जनरल स्टोर की दुकान चलाती है। महिला का आरोप है कि ढुढोली निवासी मोंटू गुप्ता पुराने लेनदेन को लेकर गुरुवार को दुकान पर आया था। बातचीत के दौरान वह गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी जबरन दुकान के अंदर घुस गया।

मानूसन फिर एक्टिव, 3 दिन बारिश का येलो अलर्ट

यूपी-टी20 लीग को लेकर इकाना में पिच कवर्ड

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में एक बार फिर से मानसून एक्टिव हो गया है। शुक्रवार को अलग-अलग इलाके में रुक-रुककर बारिश हुई। शाम करीब 4 बजे चारबाग और हजरत-गंज इलाके में झमाझम बारिश हुई। शाम करीब 5:30 बजे पारा और रहीमाबाद में मूसलाधार बरसात हुई। मौसम विभाग ने बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। इकाना स्टेडियम में UP-T20 लीग का आगाज होना है। बारिश की वजह से पिच कवर्ड की गई है। अगले 3 दिन (14, 15, 16 अगस्त) को बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री के आसपास दर्ज हो सकता है। गुरुवार को 36.5 डिग्री के साथ तापमान सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.2 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 91 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 60 फीसदी रही। गुरुवार को सुबह से दोपहर बाद तक उमस और तेज धूप से लोग परेशान रहे, लेकिन शाम होते-होते कई इलाकों में मौसम बदल गया था। लखनऊ के चारबाग में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इकाना स्टेडियम में आज शाम को UP-T 20 लीग का आगाज होना है।

कार्यक्रम : ऑनलाइन पर्यवेक्षण के लिए वेब कैमरा, माइक्रोफोन और हाईस्पीड इंटरनेट की व्यवस्था

'उन्नति' से शिक्षकों को मजबूत करेगी योगी सरकार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। शिक्षक प्रशिक्षण को कितना प्रभावी बनाया जाए कि उसका वास्तविक लाभ शिक्षक की तैयारी और बच्चों की सीख तक पहुंचे? इसी सवाल को केंद्र में रखते हुए योगी सरकार ने शिक्षक क्षमता-विकास को तकनीक आधारित निगरानी और अकादमिक गुणवत्ता से जोड़ते हुए 'उन्नति' के माध्यम से प्रशिक्षण व्यवस्था को नई दिशा दी है। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य शिक्षक प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बनाकर उसकी गुणवत्ता का सीधा लाभ बच्चों की सीख तक पहुंचाना है। 'उन्नति' के माध्यम से प्रशिक्षण की ऑनलाइन निगरानी को मजबूत किया जा रहा है, जिससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता और शिक्षक की क्षमता दोनों बेहतर होंगी। 'उन्नति' के माध्यम से प्रशिक्षण की ऑनलाइन निगरानी की जा रही है, ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर लगातार नजर रखी जा सके और प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त शैक्षणिक समझ एवं प्रभावी शिक्षण पद्धतियां अगले स्तर तक पहुंचते समय कमजोर न पड़ें। एफएलएन और एनसी-ईआरटी की पाठ्यपुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों की अकादमिक क्षमता को मजबूत किया जा रहा है। 'उन्नति' (यूनिफाइड नेटवर्क फॉर नर्चरिंग एकेडमिक ट्रेनिंग एंड इनोवेशंस) शिक्षक प्रशिक्षण को मजबूत करने वाली ऑनलाइन पर्यवेक्षण व्यवस्था है। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बनाना और कैस्केड लॉस को न्यूनतम करना है, ताकि प्रशिक्षण की मूल विषयवस्तु, शैक्षणिक समझ और प्रभावी शिक्षण पद्धतियां एक स्तर से दूसरे स्तर तक पहुंचते समय कमजोर न पड़ें।

प्रत्येक बैच के लिए अलग प्रशिक्षण लिंक, बीईओ करेंगे समन्वय

> एफएलएन और एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण को बनाया जा रहा अधिक प्रभावी
>
> 'उन्नति' (यूएनएनएटीआई) के माध्यम से ऑनलाइन पर्यवेक्षण से प्रशिक्षण में कैस्केड लॉस को किया जाएगा न्यूनतम
>
> प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया जा रहा है संचालित

एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के प्रभावी उपयोग पर विशेष ध्यान

प्रशिक्षण में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएलएन) को मजबूत करने के साथ एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के प्रभावी उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों को बच्चों के सीखने के स्तर और कक्षा की जरूरत के अनुरूप पाठ्यवस्तु को गतिविधियों एवं प्रभावी शिक्षण प्रक्रियाओं से जोड़ने के लिए तैयार किया जा रहा है।

प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए राज्य परियोजना कार्यालय के अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं कंसल्टेंट्स द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन पर्यवेक्षण किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक प्रशिक्षण हॉल में हाई-रिजॉ-ल्यूशन वेब कैमरा, माइक्रोफोन/साउंड सिस्टम तथा हाई-स्पीड इंटरनेट की व्यवस्था अनिवार्य की गई है।

महिला को पीट-पीटकर हत्या

परिजन बोले- जमीनी विवाद में रास्ते में घेरकर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल महिला की मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि महिला बाजार से घर लौट रही थी। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने उसे रास्ते में रोक लिया और लाठी-डंडों व लात-घूंसों से मारपीट की। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद गांव में तनाव का माहौल है। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

परिजनों के अनुसार, शुक्रवार दोपहर शंकुतला की तबीयत अचानक ज्यादा बिगड़ गई। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

शंकुतला, मृतका

बाजार से लौटते समय रास्ते में रोककर पीटने का आरोप

मामला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर बीकेटी थाना क्षेत्र के डिंगुरपुर गांव का है। मृतका की पहचान शंकुतला (35) के रूप में हुई है। वह अपने पति विजय कुमार (40) और दो बच्चों 13 वर्षीय अरुण और 9 वर्षीय पल्ली के साथ रहती थीं। परिवार मजदूरी करता है।

परिजनों के मुताबिक, 3 अगस्त को शंकुतला बाजार से अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान गाजीपुर गांव के पास कुछ लोगों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। आरोप है कि करीब आधा दर्जन लोगों ने शंकुतला और उनके पति के साथ लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट की। घटना में कई लोग घायल हुए थे। शंकुतला को गंभीर चोटें आई थीं। परिजनों का आरोप है कि मारपीट करने वाले लोगों ने घटना के बाद उन्हें धमकी भी दी। शंकुतला की हालत लगातार बिगड़ती गई और उनका इलाज चल रहा था।

वीवीएस लक्ष्मण को मिल सकती है जिम्मेदारी, गौतम-अगरकर 2027 वर्ल्डकप तक बने रहेंगे

बीसीसीआई में पहली बार बनेगा डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद

तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

नई व्यवस्था में गौतम गंभीर हेड कोच और अजीत अगरकर मुख्य चयनकर्ता बने रहेंगे। दोनों की मौजूदा जिम्मेदारियों में बदलाव नहीं होगा। 2027 वर्ल्ड कप तक इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। अगरकर का मौजूदा कार्यकाल सितंबर में खत्म होना है।

BCCI भारतीय क्रिकेट के पूरे सिस्टम को एक साथ जोड़ने की तैयारी में है। बोर्ड पहली बार डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद बनाने जा रहा है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) के प्रमुख VVS लक्ष्मण को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। इसके लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट 2 साल बढ़ाने की तैयारी है। नई भूमिका में लक्ष्मण जूनियर क्रिकेट से लेकर सीनियर टीम तक के बीच तालमेल देखेंगे। खिलाड़ियों के रिहैब, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की नियुक्ति के साथ मेन्स और विमेंस क्रिकेट की निगरानी भी करेंगे।

गौतम गंभीर के कोचिंग भविष्य को लेकर भी हाल के महीनों में चर्चा हुई है। खासकर टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया के प्रदर्शन और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) में स्थिति को लेकर सवाल उठे हैं। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज को गंभीर के रेड-बॉल क्रिकेट के भविष्य के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

लक्ष्मण अब तक CoE में जूनियर भारतीय टीमों, खिलाड़ियों के रिहैब और टैलेंट डेवलपमेंट से जुड़े काम देखते रहे हैं। नई भूमिका में उनके पास कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की नियुक्तियों की जिम्मेदारी भी होगी।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे क्रिकेट देशों में डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की भूमिका रणनीतिक होती है। यह पद टीम की की योजना, प्लेयर्स डेवलपमेंटया की निगरानी करता है।

एक पद से जुड़ेगा पूरा क्रिकेट सिस्टम

BCCI में अभी सीनियर टीम, चयन समिति, CoE और एज-ग्रुप क्रिकेट अलग-अलग स्तर पर काम करते हैं। डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद इन सभी के बीच तालमेल बनाने के लिए होगा।लक्ष्मण की जिम्मेदारी टैलेंट की पहचान से लेकर उसे सीनियर टीम तक तैयार करने की प्रक्रिया देखने की होगी। वे अलग-अलग स्तर के कोच और सपोर्ट स्टाफ के काम में भी तालमेल बनाएंगे।

इगा स्वियातेक ने नेशनल बैंक ओपन का खिताब जीता

रायबकिना को 6-2, 6-3 से हराया इस साल की पहली ट्रॉफी

नई दिल्ली, एजेंसी

पोलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने गुरुवार को टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन का फाइनल जीता। उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबकिना को 6-2, 6-3 से हराकर इस साल का पहला WTA टूर खिताब जीता।

यह उनके करियर का 26वां खिताब है। 7वीं वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने मैच की शुरुआत में ही दूसरी वरीयता प्राप्त रायबकिना की सर्विस ब्रेक कर दी। इसके बाद उन्होंने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए पहला सेट 29 मिनट में 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में स्कोर 2-2 से बराबर था, तभी स्वियातेक ने रायबकिना की सर्विस फिर ब्रेक कर दी। इसके बाद उन्होंने अपनी सर्विस पर नियंत्रण बनाए रखा और सेट 6-3 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। नेशनल बैंक ओपन का खिताब जीतने के बाद स्वियातेक WTA रैंकिंग में 2 स्थान ऊपर चढ़कर 5वें नंबर पर पहुंचेंगी। फाइनल में हारने के बावजूद रायबकिना दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी बनी रहेंगी।

खिताब जीतने के बाद स्वियातेक ने कहा कि वह मुकाबले के दौरान पूरी तरह फोकस थीं। उन्होंने बताया कि वह मैच को शारीरिक स्तर पर खेलना चाहती थीं और लगातार दबाव बनाए रखना चाहती थीं।

महिला डबल्स फाइनल में कतेरीना सिनीयाकोवा और शुआई झांग की जोड़ी ने सारा एरानी और निकोल मेलिचार-मार्टिनेज की जोड़ी को 6-3, 6-4 से हराकर खिताब जीता।

53 साल से पद्मश्री का इंतजार कर रहे फारुख इंजीनियर

1973 में अखबार में नाम छपा था बीसीसीआई सरकार को पत्र लिखेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय विकेटकीपर फारुख इंजीनियर को पद्मश्री मिलने का इंतजार 53 साल बाद भी खत्म नहीं हुआ है। 88 साल के इंजीनियर के मुताबिक, 1973 में अखबारों के जरिए उन्हें पता चला था कि सरकार ने उन्हें पद्मश्री के लिए चुना है। उस समय वे इंग्लैंड में भारतीय टीम के साथ खेल रहे थे।

टीम मैनेजर हेमू अधिकारी ने भी उन्हें इसकी जानकारी दी थी। लेकिन इसके बाद उन्हें सरकार की ओर से कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली। न मेडल मिला और न ही प्रमाणपत्र। पद्म पुरस्कार की वेबसाइट पर इंजीनियर का नाम 1973 के पद्मश्री सम्मान पाने वालों में दर्ज है। हालांकि, इसके बाद पुरस्कार उन तक क्यों नहीं पहुंचा। इसकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। अब इस मामले में BCCI सरकार को पत्र लिखने की तैयारी कर रहा है। इंजीनियर ने हाल में ICC चेयरमैन जय शाह से भी इस मामले में मदद मांगी थी। उन्होंने बताया कि पिछले महीने जय शाह ने उनकी मदद करने का भरोसा दिया। इससे पहले उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली से भी इस मामले में मदद मांगी थी।

इंजीनियर बोले- मेडल ट्रॉफी कैबिनेट में रखूंगा

इंजीनियर इंग्लैंड में रहते हैं, लेकिन कहते हैं कि भारत उनके दिल में है। उनका कहना है कि वे पद्मश्री को अपने घर की ट्रॉफी कैबिनेट में रखना चाहते हैं और राष्ट्रपति भवन जाकर राष्ट्रपति के हाथों सम्मान लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में उनके और क्लाइव लॉयड के नाम पर स्टैंड हैं, लेकिन राष्ट्रपति भवन में पद्मश्री लेना उनके लिए उससे भी बड़ा सम्मान होगा।

टी-ब्रेक तक स्कोर-286/3, ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 198 पर सिमटी

तंजिद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया को 198 रन पर समेटने के बाद बांग्लादेश के सामने चुनौती थी कि वह अपनी पारी को मजबूत बनाए। शुरुआत में शादमान इस्लाम 20 रन बनाकर मिचेल स्टार्क की गेंद पर आउट हुए और बांग्लादेश का स्कोर 36/1 हो गया। इसके बाद तंजिद ने मोमिनुल हक के साथ पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 102 रन जोड़े।

ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 198 रन पर समेटने के बाद बांग्लादेश ने दूसरे दिन भी अपना दबदबा बनाए रखा है।

डार्विन क्रिकेट ग्राउंड पर बांग्लादेश ने टी-ब्रेक तक 286/3 रन बना लिए हैं। टीम की बढ़त 88 रन हो चुकी है।

ओपनर तंजिद हसन तमीम ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर टेस्ट सेंचुरी लगाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बने। तंजिद ने 188 गेंद में अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया और आउट होने से पहले 197 गेंद पर 101 रन बनाए। इसमें 8 चौके और एक छक्का शामिल था।

तंजिद के आउट होने के बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 79 रन बनाकर क्रीज पर हैं, जबकि मुशफिकुर रहीम 26 रन पर उनका साथ दे रहे हैं। इससे पहले तंजिद और मोमिनुल हक ने दूसरे विकेट के लिए 102 रन की साझेदारी की थी। मोमिनुल 49 रन बनाकर जोश हेजलवुड की बॉल पर आउट हुए। मोमिनुल 49 रन पर हेजलवुड की गेंद पर एलेक्स कैरी को कैच दे बैठे, लेकिन तंजिद ने अपनी पारी जारी रखी और शांतो के साथ मिलकर बांग्लादेश को ऑस्ट्रेलिया के स्कोर से आगे पहुंचा दिया। तंजिद 101 रन बनाकर नाथन लियोन की गेंद पर मिचेल स्टार्क को कैच दे बैठे।

तंजिद का दूसरा शतक

तंजिद ने 188 गेंदों में शतक पूरा किया। वह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक लगाने वाले बांग्लादेश के पहले बल्लेबाज बने। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में बांग्लादेश के किसी बल्लेबाज का सबसे बड़ा स्कोर हन्नान सरकार का 76 रन था। यह उन्होंने 2003 में केर्न्स में बनाया था। तंजिद ने सिर्फ अपने दूसरे टेस्ट में यह रिकॉर्ड तोड़ दिया।

तंजिद का 101 रन का स्कोर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बांग्लादेशी बल्लेबाज का सिर्फ दूसरा टेस्ट शतक भी है। इससे पहले शाहिरयार नफीस ने 2006 में फातुल्लाह में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 138 रन बनाए थे।

तंजिद हसन तमीम बांग्लादेश के बाएं हाथ के ओपनिंग बल्लेबाज हैं। उनका जन्म 1 दिसंबर 2000 को बोगरा, बांग्लादेश में हुआ था। वे 2020 में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली बांग्लादेशी टीम का हिस्सा रहे।

मनोरंजन

बंटवारा 1947 पर दर्शकों ने दी अपनी राय, एक्स पर शेयर किए फिल्म को लेकर रिव्यू

सनी देओल की बेस्ट परफॉर्मेंस शबाना आजमी फिल्म की जान

नई दिल्ली, एजेंसी

सनी देओल और राजकुमार संतोषी की फिल्म 'बंटवारा 1947' आज, 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। साल की मोस्ट अवेटेड फिल्म को देखकर दर्शकों ने X पर अपनी राय भी शेयर कर दी है। आइए देखते हैं एक्स पर इसे कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है। शुरुआती प्रतिक्रियाओं में फिल्म की इमोशनल कहानी, किरदारों और एक्टिंग की तारीफ की गई है, और कई दर्शकों ने सिकंदर के रोल में सनी देओल (Sunny Deol) के काम को खास तौर पर सराहा है।

एक्स पर फिल्म को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'सनी देओल के करियर की बेस्ट परफॉर्मेंस, मैंने कुछ और उम्मीद की थी लेकिन इस फिल्म ने मेरी राय ही बदल दी। इसे देखने के बाद मुझे समझ आया कि ये असल में कितनी अलग और पावरफुल है'। एक ने कमेंट किया, 'आजादी ने देश को उसका भविष्य दिया, लेकिन बंटवारे ने अनगिनत घर और बचपन छीन लिए। बंटवारा 1947 गर्व और शोक, दोनों के लिए जगह बनाती है'। एक यूजर ने कमेंट किया, 'मुझे यह बात अच्छी लगी कि Batwara1947 ने मुझे इमोशनल करने से पहले असहज महसूस कराया। फिल्म के पहले हिस्से में सिकंदर और हमीदा ने जो फैसले लिए, उनसे मुझे झुंझलाहट हुई।

शबाना आजमी ने किया सरप्राइज

कई दर्शकों ने 'बंटवारा 1947' (Batwara 1947) को परिवार के साथ देखने लायक एक इमोशनल फ़िल्म बताया है। एक दर्शक ने इसे पूरी तरह से फैमिली मूवी कहा और माता-पिता को थिएटर ले जाने की सलाह दी। यूजर ने शबाना आजमी (Shabana Azmi) के किरदार की भी तारीफ की और कहा कि यह फिल्म खासकर महिलाओं को पसंद आ सकती है।

> **1947 के बंटवारे के समय लाहौर पर आधारित 'बंटवारा 1947' उस उथल-पुथल के असर को दिखाती है, जो डर, विस्थापन और अनिश्चितता के दौर में फंसे आम लोगों की जिंदगी पर पड़ा। सनी देओल ने सिकंदर का और शबाना आजमी ने माई का किरदार निभाया है। फिल्म में प्रीति जिंटा ने हमीदा की भूमिका निभाई है।**

19 साल पुराना दर्द लेकर लौटा 'शिवम पंडित'

नई दिल्ली, एजेंसी

2007 में आई कल्ट क्लासिक फिल्म आवारापन (Awarapan) का सीक्वल 19 साल बाद आखिरकार सिनेमाघरों में पहुंच गया है। 14 अगस्त को बंटवारा 1947 (Batwara 1947) के साथ बड़े पर्दे पर पहुंची इमरान हाशमी (Emraan Hashmi) की इस फिल्म के साथ दर्शकों को काफी उम्मीद थी।

क्या वाकई आवारापन 2 दर्शकों की उम्मीद पर खरी उतर पाई या नहीं, पहला दिन और पहला शो देखते ही ऑडियंस ने अपना फैसला सुना दिया है।

फिल्म की कहानी और सीन्स इतने तगड़े बताए जा रहे हैं कि दर्शक शायद बोर न हो। एक यूजर ने कहा कि शुरू के 20 मिनट बहुत इंगेजिंग हैं। यूजर ने लिखा, ₹भाई शुरू के 20 मिनट ही इतने इंगेजिंग है आप इमोशनली शिवम पंडित के साथ कनेक्ट हो जाओगे। आवारापन 2 में इमरान हाशमी की वापसी हुई है, जबकि लीड रोल में दिशा पाटनी और शबाना आजमी भी हैं। ऑडियंस का कहना है कि शिवम पंडित के रूप में लौटे इमरान के कंधों पर पूरी फिल्म है। वहीं, दिशा फिल्म में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। एक यूजर ने डायरेक्शन को कमजोर बताया है। कहा, ₹शिवम पंडित ने फैन-सर्विस और नॉस्टेल्जिया का सही इस्तेमाल किया है। इमरान हाशमी को आखिरकार एक ऐसी फिल्म और किरदार मिला है जो आम लोगों से जुड़ता है। आवारापन 2 की कहानी फैन्स की पसंदीदा सुपर-हिट फिल्म जैसा अनुभव देती है, लेकिन डायरेक्शन और एक्शन कोरियोग्राफी कमजोर है।

संजय दत्त के क्लब में बजने वाले गानों पर विवाद

बिना इजाजत बज रहे कॉपीराइट वाले गाने

नई दिल्ली, एजेंसी

पुणे में एक्टर संजय दत्त के नाइटक्लब Ballr पर कॉपीराइट विवाद खड़ा हो गया है। क्लब में बिना इजाजत कॉपीराइट वाले गाने बजाए जा रहे थे। फोनोग्राफिक परफॉर्मेंस लिमिटेड (PPL) इंडिया ने बॉम्बे हाई कोर्ट में शिकायत की कि क्लब में बिना लाइसेंस कॉपीराइट म्यूजिक का इस्तेमाल हो रहा है। कोर्ट ने PPL को अंतरिम राहत देते हुए Ballr को जरूरी लाइसेंस के बिना अपने कलेक्शन की साउंड रिकॉर्डिंग सार्वजनिक रूप से बजाने से रोक दिया। PPL के एक प्रतिनिधि ने 24 जून को Ballr का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने क्लब में PPL के कलेक्शन के कई कॉपीराइट वाले गाने बजते हुए पाए। Ballr के मालिक एक्टर संजय दत्त और हेरंब शेलके हैं। इन गानों में 'बदतमीज दिल', 'मौजा ही मौजा', 'दर्द-ए-डिस्को', 'ओ साकी साकी' और 'दस बहाने' शामिल हैं।

क्लब में बजाए जा रहे गानों की लिस्ट में इंटरनेशनल सॉन्ग भी शामिल थे। इनमें जस्टिन बीबर का 'व्हाट डू यू मीन' और दुआ लिपा का 'लेविटेटिंग' शामिल है।

PPL का दावा है कि इन सभी साउंड रिकॉर्डिंग का कॉपीराइट उसी संस्था के पास है। 7 अगस्त के आदेश में बॉम्बे हाई कोर्ट ने नाइटक्लब के मालिकों को जरूरी नॉन-एक्सक्लूसिव पब्लिक परफॉर्मेंस लाइसेंस के बिना PPL के कलेक्शन की साउंड रिकॉर्डिंग बजाने या इस्तेमाल करने से रोक दिया।

गुरु रंधावा के नए गाने पर मचा बवाल

'ऑफिस गर्ल्स' के डांस पर ट्रोलिंग, सिंगर का आया रिएक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा (Guru Randhawa) एक बार फिर अपने गाने के लिए चर्चा में आ गए हैं। 'सिर्रा' और 'अजुल' के बाद गुरु रंधावा के नए गाने 'फाइन शिट' (Fine Shyt) पर बवाल मच गया है। गाने के वीडियो और लिरिक्स को इंटरनेट पर आलोचना झेलनी पड़ रही है।

गुरु रंधावा ने हाल ही में यूट्यूब पर अपना नया गाना 'फाइन शिट' (Fine Shyt) रिलीज किया। यह गाना 'ऑफिस थीम' पर बेस्ड था। यूट्यूब पर रिलीज होते ही इस गाने को 13 मिलियन से ज्यादा लोगों ने सुन लिया है। इंटरनेट पर वायरल हो रहे इस गाने को ट्रोलिंग भी मिल रही है। अब गुरु रंधावा ने भी रिएक्शन दिया है।

एक हफ्ते पहले गुरु रंधावा ने अपना नया गाना जारी किया जिसने आते ही सभी का ध्यान खींचा। इसकी वजह वीडियो में दिखाए गए ऑफिस महिला कर्मचारियों का बर्ताव, अजीब डांस और गाने की लिरिक्स। सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि महिलाओं को इस तरह ऑफिस में दिखाया जाना सही नहीं है। प्रेजेंटेशन बहुत खराब है।

> **मालूम हो कि गुरु रंधावा ने इस गाने को गुरजीत गिल के साथ लिखा है और इसकी धुन भी तैयार की है। वहीं, उन्होंने यश्वी देसाई के साथ इसे गाया है। इस गाने को यूट्यूब पर 13 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल गए हैं।**

ट्रोलिंग पर गुरु रंधावा का रिएक्शन

गुरु रंधावा ने लगातार सोशल मीडिया पर मिल रही ट्रोलिंग को लेकर रिएक्शन दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, SISU माइंडसेट और मूव्स और उन सभी से कहो कि मेरे खिलाफ कोई नई स्ट्रेटेजी बनाएं। ये वाली काम नहीं आई। मैं अपने रास्ते पर हूं। एक बनाम सब। पगानी की तरह रेयर (खास)। 2025 मेरा था, 2026 मेरा है और बाकी के साल भी मेरे ही होंगे। बेहतरीन चीज।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/पी0एस0, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Parking-LKO KHNM-MX-144-24-1 (Parking-Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	12.08.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	28.08.2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	28.08.2026 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Parking-LKO PRG-MX-189-26-1 (Parking-Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	12.08.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	28.08.2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	28.08.2026 समय 11:40 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Parking-LKO SLN-MX-190-26-2 (Parking-Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	12.08.2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि(समस्त लॉट)	28.08.2026 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	28.08.2026 समय 11:50 बजे
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

2812/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

स्वतंत्रता दिवस पर सतीश महाना ने दी हार्दिक शुभकामनाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

> मा. अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता, नवाचार, सुशासन और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उत्तर प्रदेश भी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विकास, निवेश, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि हमारा देश निरंतर वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना रहा है।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष मा. सतीश महाना ने स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय पर्व ही नहीं, बल्कि उन अमर स्वतंत्रता सेनानियों के अद्वितीय साहस, त्याग, तप और बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन करने का अवसर भी है, जिनके संघर्ष के कारण आज हम स्वतंत्र भारत में सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीवन जी रहे हैं।

अपने शुभकामना संदेश में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसकी सबसे बड़ी शक्ति देश के जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक हैं। स्वतंत्रता दिवस हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संविधान में निहित आदर्शों, लोकतांत्रिक मूल्यों, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता तथा आपसी सद्भाव को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प हम सभी को इस अवसर पर लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपना सक्रिय योगदान दें। युवा पीढ़ी को भी राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए, जिससे भारत विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त कर सके।

विधानसभा अध्यक्ष ने प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव, महिला सम्मान, स्वच्छता, शिक्षा तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए भी संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का छोटा-सा योगदान भी राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अंत में मा. सतीश महाना ने सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए स्वतंत्रता दिवस की पुनः हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा आशा व्यक्त की कि प्रदेश एवं देश निरंतर विकास, शांति, समृद्धि और गौरव के नए शिखर स्थापित करेगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

1947 के...

यह हमें अपने गौरवशाली अतीत पर गर्व करने और पुरानी गलतियों से सीखकर उन्हें सुधारने का मौका भी देता है। स्मृति दिवस मनाने के पीछे प्रधानमंत्री जी की यही सोच है। जो लोग 1947 में चुप थे और उनकी नजर सिर्फ सत्ता पाने पर थी, वे आज भी उसी सोच पर चल रहे हैं। देश की कीमत पर सत्ता हासिल करना ही उनका मकसद रहा है।

आपने बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम देखा होगा, ये दल तब भी मौन थे। इन्हें डर था कि बोलने से उनका वोटबैंक नाराज हो सकता है। वे अपने स्वार्थ के लिए सत्ता को निजी संपत्ति और पारिवारिक विरासत मानते हैं। इसी सोच के कारण देश के साथ धोखा करते हैं और अराजकता और अव्यवस्था फैलाते हैं।

सीएम ने कहा- देश के गुलाम होने के दो बड़े कारण थे। पहला, आपसी मतभेद और दूसरा, जाति-क्षेत्र के आधार पर बंटवारा। इन मतभेदों के साथ साजिशें भी होती रहीं और साजिश करने वाले सफल हुए। नतीजा यह हुआ कि देश गुलाम हो गया। हम एकजुट होकर लड़ नहीं पाए। लोगों को लगता था कि हमला किसी दूसरे पर हो रहा है, मैं क्यों बोलूं? इसका खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ा। सनातन काल से एक रहे भारत के भी टुकड़े कर दिए गए।

'परीक्षा सुधारों के...

और बस्तर में तेजी से हो रहा विकास व सांस्कृतिक भागीदारी देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं।

उन्होंने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तिरंगा हमारी स्वतंत्रता का प्रतीक है और हर भारतीय इसे गर्व के साथ फहराता है। राष्ट्रपति ने कहा कि 15 अगस्त 1947 को भारत गुलामी की बेड़ियों से मुक्त हुआ और प्रत्येक नागरिक स्वतंत्र भारत के भाग्य का निर्माता बना।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि देश के निर्माण में विद्यार्थी, शिक्षक, वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी, श्रमिक और किसान अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा खिलाड़ी, शिल्पकार, कलाकार, बुद्धिजीवी, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, न्याय व्यवस्था से जुड़े अधिकारी, सरकारी कर्मचारी, निवेशक और सामाजिक कार्यकर्ता भी राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान में दिए गए मौलिक कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने वाला प्रत्येक नागरिक राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार है।

बैंकॉक एयरपोट...

शाम 6 बजे बोर्डिंग किया और 6.15 बजे रन-वे पर आ गए। सभी पैसेंजर फ्लाइट सनसेट का वीडियो बना रहे थे। तभी कुछ देर में ही फ्लाइट वापस रनवे पर पहुंची।

यात्रियों ने बताया कि केबिन की लाइट ऑन हुई तो क्रू मेंबर्स से पूछा कि क्या हुआ? उन्होंने तकनीकी खराबी का हवाला दिया। गुरुवार रात 8.30 बजे तक फ्लाइट में बैठाकर रखा गया था। इसके बाद यात्रियों को जानकारी दी कि रात 11.15 बजे फ्लाइट उड़ान भरेगी। कुछ देर बाद फ्लाइट अगले दिन तक रद्द रहने की बात कही गई।

एअर इंडिया ने ही होटल की व्यवस्था की। जहां रात 12 बजे पहुंचे। इसके बाद शुक्रवार को शाम 5.30 बजे की फ्लाइट होने की बात कही गई। दोपहर 1.30 बजे एयरपोर्ट पर पहुंचे। तीन-चार घंटे तक इंतजार करने के बाद कहा गया कि शाम 7.15 बजे फ्लाइट उड़ान भरेगी। हालांकि 7.15 बजे फ्लाइट ने उड़ान नहीं भरी। रात 8 बजे बोर्डिंग शुरू हुई है। कुछ यात्री दूसरी फ्लाइट से भारत लौट आए।

एअर इंडिया ने यात्रियों को भेजे ई-मेल में कहा कि बैंकॉक से नई दिल्ली जाने वाली फ्लाइट AI4335 का शेड्यूल ऑपरेशनल कारणों से बदला गया है। इसमें तकनीकी खराबी का जिक्र नहीं किया गया।

'जंतर-मंतर पर...

राहुल ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान शॉक बैटन इस्तेमाल किया गया। लाठी में कील लगाकर स्टूडेंट्स को मारा गया।

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सुबह 8 बजे शुरू हुए प्रदर्शन में 10 बजे बैरिकेड तोड़कर प्रदर्शनकारी संसद की ओर बढ़े। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े, जबकि देर शाम पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं।

जनगणना में...

साथ ही शैक्षणिक संस्थान में पढ़ाई की स्थिति और उच्चतम शैक्षणिक योग्यता, स्ट्रीम या विषय पूछा जाएगा।

व्यक्ति ने पिछले एक साल में काम किया या नहीं, उसकी आर्थिक गतिविधि, व्यवसाय और काम का क्षेत्र पूछा जाएगा। इसके अलावा कामगार की श्रेणी, गैर-आर्थिक गतिविधि, काम की तलाश या उपलब्धता और काम की जगह तक आने-जाने की जानकारी भी ली जाएगी। इस सेक्शन में जन्म स्थान, पिछला निवास स्थान, माइग्रेशन का कारण और वहां रहने की अवधि पूछी जाएगी। स्थायी निवास का पता भी दर्ज होगा। महिलाओं से जीवित बच्चों, अब तक जन्मे बच्चों और पिछले एक साल में जन्मे बच्चों की संख्या भी पूछी जाएगी।

इसमें कोड-19 वैक्सीन कहां लगवाई, कुल बैंक अकाउंट और मोबाइल नंबर पूछा जाएगा। साथ ही आधार नंबर, वोटर ID, पासपोर्ट नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध है या नहीं इसकी जानकारी भी ली जाएगी।

एन यू जे आई का...

पत्रकार सुरक्षा कानून और अधिकार: देश भर में पत्रकारों पर बढ़ते हमलों को ध्यान में रखते हुए 'पत्रकार सुरक्षा कानून' लागू करने, 'मीडिया काउंसिल' तथा 'नेशनल जर्नलिस्ट्स रजिस्टर' के गठन की मांग पर रणनीति बनाना। यह अधिवेशन संगठन के नेतृत्व हस्तांतरण का भी साक्षी बनेगा। जार राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष संजय सैनी, प्रदेश महासचिव सुरेश पारीक, जार जयपुर शहर अध्यक्ष लेशिश जैन तथा जयपुर ग्रामीण अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि अधिवेशन की सफलता और देश भर से आ रहे प्रतिनिधियों की सुविधा के लिए विभिन्न व्यवस्था समितियों का गठन कर दिया गया है।

अंबेडकरनगर में कैबिनेट मंत्री ने जलालपुर की सड़कों की बदहाली पर जताई चिंता, बोले- क्षेत्र में जाकर सुनें जनता की परेशानी

चुनाव जीतकर गायब रहने से नहीं चलेगा काम : राजभर

दौरा

- राजभर का जनप्रतिनिधियों पर निशाना
- एनडीए की दोबारा सरकार बनने का दावा
- पेंशन और किसान सम्मान निधि पर सरकार का पक्ष रखा

> आगामी चुनाव को लेकर राजभर ने कहा कि एनडीए पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। उन्होंने दावा किया कि एनडीए फिर सरकार बनाएगा।
> उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को भी गिनाया। राजभर ने कहा कि पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में योजनाओं की धनराशि सीधे पहुंचाई जा रही है।

जलालपुर की सड़कों पर उठाए सवाल

मंत्री ने जलालपुर क्षेत्र की सड़कों की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में कई जगह रास्ते इतने खराब हैं कि लोगों को साइकिल चलाने में भी परेशानी होती है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत बताई। राजभर ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों की जानकारी के लिए मौके पर पहुंचना जरूरी है।

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर शुक्रवार को अंबेडकरनगर पहुंचे। सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। जलालपुर क्षेत्र में सड़कों की खराब स्थिति का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने सांसदों और विधायकों से नियमित रूप से अपने क्षेत्रों का दौरा करने की बात कही। राजभर ने कहा कि पेंशन, किसान सम्मान निधि और आवास जैसी योजनाओं में बिचौलियों की भूमिका खत्म हुई है। इससे पात्र लोगों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने पेंशन का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले 500 रुपये की पेंशन में बिचौलियों द्वारा हिस्सा लेने की शिकायतें आती थीं। अब पेंशन की राशि बढ़ाकर एक हजार रुपये की गई है। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि के तहत छह हजार रुपये भी सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजे जा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य जरूरतमंद परिवारों तक पक्का घर, शौचालय, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है।

राजभर के बयान से सियासी संदेश

अंबेडकरनगर दौरे में राजभर ने एक ओर सरकार की योजनाओं को उपलब्धि के रूप में रखा, वहीं दूसरी ओर स्थानीय सड़कों और जनप्रतिनिधियों की सक्रियता का मुद्दा उठाया। जलालपुर की सड़कों को लेकर उनकी टिप्पणी स्थानीय विकास कार्यों पर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के स्तर पर ध्यान देने का संदेश देती है।

'चुनाव के समय नहीं, पूरे कार्यकाल जनता के बीच रहें'

ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का काम केवल चुनाव के समय जनता के बीच जाना नहीं है। उन्हें पूरे कार्यकाल में क्षेत्र का भ्रमण करना चाहिए। गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुननी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में नियमित भ्रमण होगा तो सड़कों समेत अन्य समस्याओं की वास्तविक जानकारी मिलेगी। इसके बाद उनके समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं।

अफजलपुर के जवाहर नवोदय विद्यालय का निरीक्षण

नवोदय विद्यालय पहुंचीं एसडीएम परखी व्यवस्था

साफ-सफाई और सुविधाओं पर जताया संतोष

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं और विद्यालय की व्यवस्थाओं की हकीकत जानने के लिए उपजिलाधिकारी अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह ने शुक्रवार को जवाहर नवोदय विद्यालय, अफजलपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में छात्रावास, मेस, कक्षों और मेडिकल रूम समेत विभिन्न व्यवस्थाओं को मौके पर देखा। निरीक्षण की शुरुआत छात्रावासों से हुई। एसडीएम ने बालिका और बालक छात्रावास की व्यवस्थाएं देखीं। विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था, परिसर की स्थिति और साफ-सफाई का जायजा लिया।

इसके बाद उन्होंने मेस का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्था देखी। विद्यालय के कक्ष-कक्षों और मेडिकल रूम की स्थिति भी जांची। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और साफ-सफाई की स्थिति पर एसडीएम ने संतोष जताया। उन्होंने विद्यालय प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। एसडीएम ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में उपलब्ध व्यवस्थाएं संतोषजनक और सुव्यवस्थित हैं। उन्होंने परिसर में मौजूद विभिन्न सुविधाओं को देखा और संबंधित कर्मचारियों से आवश्यक जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने एसडीएम को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। छात्रावास, मेस, कक्षों और मेडिकल रूम से संबंधित व्यवस्थाओं को मौके पर देखा गया।

एसडीएम के निरीक्षण के बाद विद्यालय प्रशासन ने उपलब्ध व्यवस्थाओं और सुविधाओं की जानकारी साझा की। निरीक्षण में किसी बड़ी कमी का उल्लेख नहीं किया गया।

तिरंगे के साथ सड़कों पर उतरी पुलिस

स्वतंत्रता दिवस से पहले एसपी प्राची सिंह के नेतृत्व में पुलिस लाइन से अकबरपुर कोतवाली तक निकली तिरंगा यात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। स्वतंत्रता दिवस से पहले शुक्रवार को अंबेडकरनगर पुलिस ने तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के नेतृत्व में निकली यात्रा में पुलिसकर्मी हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए। इस दौरान मार्ग पर देशभक्ति के नारे गूंजते रहे।

यात्रा के दौरान पुलिसकर्मियों के हाथों में तिरंगा नजर आया। पूरे रास्ते भारत माता की जय, वंदे मातरम्, जय हिंद और हर घर तिरंगा के नारे लगाए गए। तिरंगे के साथ पुलिसकर्मियों की यह यात्रा लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रही।

पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश की एकता के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा के माध्यम से अंबेडकरनगर पुलिस ने जिलेवासियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। साथ ही राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा, सम्मान और मर्यादा बनाए रखने का संदेश दिया। पुलिस की ओर से कहा गया कि तिरंगा देश की एकता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। यात्रा के दौरान पुलिसकर्मियों ने भी तिरंगे के सम्मान और उसकी गरिमा बनाए रखने का संदेश दिया।

> पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा के जरिए स्वतंत्रता दिवस से पहले जिले में राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया गया। पुलिस की ओर से लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में सहभागी बनने और राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखने की अपील की गई।

पुलिस लाइन से शुरू हुई यात्रा, अकबरपुर कोतवाली में हुआ समापन

तिरंगा यात्रा सुबह 9:30 बजे पुलिस लाइन गेट से शुरू हुई। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के नेतृत्व में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी तिरंगा लेकर आगे बढ़े। यात्रा पुलिस लाइन से निकलकर कोतवाली अकबरपुर पहुंची, जहां इसका समापन किया गया।

यात्रा में क्षेत्राधिकारी नगर नीतीश कुमार तिवारी, प्रतिसार निरीक्षक संतोष कुमार, प्रभारी निरीक्षक अकबरपुर कोतवाली संतोष कुमार सिंह और यातायात प्रभारी जयबहादुर यादव समेत पुलिस कार्यालय, यातायात पुलिस और अन्य पुलिसकर्मी शामिल हुए।

आरआरसी सेंटर अधूरा पूरी रकम निकली गई

अब जांच के बावजूद कार्रवाई पर सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बसखारी विकास खंड की ग्राम पंचायत तिलकारपुर में कूड़ा प्रबंधन के लिए स्वीकृत आरआरसी सेंटर का निर्माण पूरा न होने के बावजूद पूरी धनराशि के भुगतान का आरोप सामने आया है। शिकायतकर्ता ने मामले में सरकारी धन के दुरुपयोग और गबन का आरोप लगाते हुए जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता ने सहायक विकास अधिकारी पंचायत की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं।

शिकायत के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2023-24 में एसएलडब्ल्यूएम योजना के तहत तिलकारपुर में कूड़ा प्रबंधन के लिए आरआरसी सेंटर का निर्माण स्वीकृत हुआ था। आरोप है कि ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत सचिव ने निर्माण पूरा कराए बिना ही कार्य के लिए स्वीकृत पूरी धनराशि निकाल ली। शिकायतकर्ता का दावा है कि भुगतान की स्थिति काफी पहले पूर्ण हो गई, जबकि मौके पर सेंटर आज भी अधूरा है। ऐसे में निर्माण की गुणवत्ता और भुगतान प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े किए गए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरआरसी सेंटर के अधूरे और उपयोग में न आने की स्थिति के बावजूद कूड़ा प्रबंधन के लिए वाहन भी खरीदा गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि वाहन का निजी उपयोग किया जा रहा है। साथ ही सेंटर में अब तक कूड़ा नहीं डाले जाने का भी आरोप लगाया गया है।

तनाव, चिंता और अवसाद के लक्षणों की समय पर पहचान पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर मेडिकल कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को मानसिक स्वास्थ्य एवं वेलनेस कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम यूजीसी के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में हुआ। इसमें मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं की पहचान, उपचार और नशे से बचाव को लेकर जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव के मार्गदर्शन में हुआ। मानसिक रोग विभाग के विभागाध्यक्ष और मेंटल हेल्थ एवं वेलबीइंग कमेटी के सचिव डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश यादव ने मानसिक स्वास्थ्य को स्वस्थ और संतुलित जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने मानसिक समस्याओं को छिपाने के बजाय उनके प्रति जागरूकता बढ़ाने और समय पर उचित सहायता लेने पर जोर दिया। सहायक आचार्य डॉ. सुधांशु चंदेल ने भी मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विचार रखे। उन्होंने तनाव, चिंता और अवसाद की समय पर पहचान और उचित उपचार को जरूरी बताया।

नशामुक्त भारत के लिए दिलाई शपथ

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज और ब्रह्माकुमार्स के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। नशामुक्त भारत महाअभियान के तहत नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज में नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने की अपील की गई। उपस्थित प्रतिभागियों ने नशामुक्त भारत के निर्माण की शपथ ली।

तनाव और अवसाद के लक्षणों पर हुई चर्चा

डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने तनाव, चिंता, अवसाद और डिसोसिएटिव डिसऑर्डर जैसी समस्याओं के लक्षण और कारण बताए। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानी की समय पर पहचान और उपचार के महत्व पर जोर दिया। आत्महत्या की रोकथाम के लिए मानसिक परेशानियों को समय रहते पहचानने और विशेषज्ञ से परामर्श लेने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य की तरह ही प्राथमिकता देना जरूरी है। किसी भी तरह की मानसिक परेशानी होने पर विशेषज्ञ से सलाह लेने में देरी नहीं करनी चाहिए। मानसिक रोग विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पारुल यादव ने भी विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों को तनाव, अवसाद और अन्य मानसिक समस्याओं के प्रति जागरूक किया। उन्होंने जरूरत पड़ने पर सहायता लेने की बात कही।

छात्राओं को निवेश और साइबर धोखाधड़ी से बचाव के बताए तरीके

एनएसई के डिप्टी मैनेजर ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में शुक्रवार को वित्तीय जागरूकता विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। वाणिज्य विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को बचत, निवेश, वित्तीय प्रबंधन और डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के संरक्षक एवं प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार वर्मा के निर्देशन में हुआ। वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण कांत गौतम और प्रो. नंदन सिंह ने संयोजन किया। प्राचार्य ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित और माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

मुख्य वक्ता ऐश्वर्य जैन, डिप्टी मैनेजर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, वाराणसी क्षेत्र ने वित्तीय जागरूकता के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वित्तीय जागरूकता केवल पैसे कमाने या बचाने तक सीमित नहीं है। इसमें धन का सही प्रबंधन, निवेश और भविष्य के जोखिमों से सुरक्षा की समझ भी शामिल है। उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रबंधन की जानकारी अनावश्यक खर्च, कर्ज और क्रेडिट कार्ड से जुड़ी समस्याओं से बचाने में मदद करती है। निवेश के विभिन्न विकल्पों की जानकारी होने से व्यक्ति अपनी जरूरत और क्षमता के अनुसार बेहतर निर्णय ले सकता है।

ऐश्वर्य जैन ने बताया कि लंबे समय तक केवल बैंक खाते में पैसा रखने से महंगाई के कारण उसकी वास्तविक क्रय शक्ति प्रभावित हो सकती है।

जायजा : एसडीएम टांडा ने संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया निरीक्षण, पशुओं की सुरक्षा को लेकर दिए निर्देश

बाढ़ की आहट के बीच प्रशासन अलर्ट

नजर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। टांडा तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत माझा उल्टाहवा में बृहस्पतिवार को प्रशासन ने संभावित बाढ़ की स्थिति को लेकर क्षेत्र का जायजा लिया। उपजिलाधिकारी टांडा संजीव सिंह ने गांव पहुंचकर नदी के जलस्तर और आसपास के हालात की जानकारी ली। इस दौरान पशुपालन विभाग की ओर से 105 पशुपालकों को पशुओं में होने वाले कीड़ों से बचाव की दवा निशुल्क वितरित की गई।

बाढ़ की स्थिति में पशुओं को संक्रमण और अन्य बीमारियों से बचाने के उपाय भी पशुपालकों को बताए गए। अधिकारियों ने पशुओं के रहने वाले स्थान की साफ-सफाई रखने और पानी जमा न होने देने की सलाह दी।

पशुओं में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल पशु चिकित्सक से संपर्क करने के लिए कहा गया। पशुपालकों को पशुओं के रखरखाव और स्वास्थ्य को लेकर जरूरी सावधानियां भी बताई गईं। निरीक्षण के दौरान उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी टांडा डॉ. शिव चंद यादव, वेटरनरी फार्मासिस्ट मसलाहुद्दीन खान, अर्से आलम समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

- निरीक्षण के दौरान पशुपालन विभाग की ओर से 105 पशुपालकों को पशुओं में होने वाले कीड़ों की दवा निशुल्क दी गई। विभागीय टीम ने दवा के उपयोग से संबंधित जानकारी भी दी।
- प्रशासन की ओर से संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में स्थिति पर निगरानी बनाए रखने की बात कही गई है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन से संपर्क करने के लिए कहा।

नदी के जलस्तर पर प्रशासन की नजर

निरीक्षण के दौरान एसडीएम संजीव सिंह ने कहा कि नदी का जलस्तर घट-बढ़ रहा है। ऐसे में प्रशासन संभावित बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी की जा रही है।

उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि किसी भी तरह की समस्या सामने आने पर तत्काल प्रशासन को सूचना दें। इससे जरूरत के अनुसार समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

विभाजन की पीड़ा से सीख लेकर एकता मजबूत करने का आह्वान

भाजपा की विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस गोष्ठी में वक्ताओं ने रखा विचार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर शुक्रवार को भाजपा की ओर से गोष्ठी आयोजित की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम का संयोजन और संचालन विकास मोदनवाल ने किया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र कन्नौजिया रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने की।

मुख्य अतिथि रामचंद्र कन्नौजिया ने कहा कि 1947 का विभाजन देश के इतिहास का बेहद पीड़ादायक अध्याय रहा। विभाजन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापन और हिंसा का सामना करना पड़ा। कई परिवारों को अपने घर और संपत्ति छोड़नी पड़ी।

उन्होंने कहा कि विभाजन का असर केवल देश की सीमाओं तक नहीं रहा, बल्कि इससे लोगों के परिवार और सामाजिक जीवन भी प्रभावित हुए। नई पीढ़ी को विभाजन से जुड़े इतिहास और उसके प्रभावों की जानकारी मिलनी चाहिए, ताकि वह इसके कारणों और परिणामों को समझ सके।

भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता के महत्व की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि जाति, पंथ, भाषा और क्षेत्र के भेद से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देने की जरूरत है। उन्होंने समाज में भाईचारा और सद्भाव मजबूत करने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि विभाजन की घटनाओं से सीख लेते हुए एकजुट समाज के निर्माण की दिशा में काम किया जाना चाहिए। गोष्ठी के बाद मुख्य अतिथि रामचंद्र कन्नौजिया और भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मौन जुलूस निकाला। जुलूस भाजपा जिला कार्यालय से शुरू होकर पटेल तिराहे तक पहुंचा।

जुलूस में कार्यकर्ताओं ने विभाजन के दौरान प्रभावित लोगों की स्मृति को नमन किया।

अराजक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की मांग

सुरसा में हिंदू देवी-देवताओं पर अमर्यादित टिप्पणियों के खिलाफ प्रदर्शन

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जिले के सुरसा क्षेत्र में हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ कथित अमर्यादित टिप्पणियों के विरोध में शुक्रवार को सनातन समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। दोपहर करीब एक बजे ब्लॉक सभागार सुरसा से शुरू हुआ प्रदर्शन ब्लॉक परिसर होते हुए थाना परिसर तक पहुंचा। भाजपा नेता धनंजय मिश्र के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शन में शामिल हुए और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने धार्मिक आस्था और संस्कृति के अपमान को लेकर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस-प्रशासन से मामले में जल्द कार्रवाई करने और धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों

की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि मामले में संलिप्त लोगों को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो समाज की ओर से बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शन में शैशव त्रिपाठी, श्याम जी मिश्रा, संजय सिंह, ज्ञानू द्विवेदी, मुकेश अवस्थी, सुमित सिंह, पुरुषोत्तम सिंह और विजेन्द्र सिंह समेत कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: धनंजय मिश्र

उन्होंने सरकार और स्थानीय प्रशासन से मांग की कि धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले लोगों को चिन्हित किया जाए और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। धनंजय मिश्र ने ऐसे मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) जैसी कड़ी धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग भी उठाई। प्रदर्शन के बाद भाजपा नेता और अन्य लोगों ने थाना परिसर पहुंचकर थानाध्यक्ष विश्वास शर्मा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली टिप्पणियों के मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की गई।

सुरक्षा को लेकर पुलिस बल रहा तैनात

प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। ब्लॉक परिसर से लेकर थाना क्षेत्र तक भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन के दौरान स्थिति पर नजर बनाए रखी और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

भाजपा नेता धनंजय मिश्र ने कहा कि हिंदू देवी-देवताओं और धार्मिक आस्था के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्रवाई जरूरी है।

एमआईईटी पब्लिक स्कूल की तीनों शाखाओं में हर्षोल्लास से मना स्वतंत्रता दिवस समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी पब्लिक स्कूल की जागृति विहार, पल्लव-पुरम और मवाना रोड शाखाओं में स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक और गतिविधि आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से देश के प्रति अपने प्रेम, सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को अभिव्यक्त किया। समारोह में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। स्कूल परिसर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए बच्चों को स्वतंत्रता संग्राम, स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के बारे में जानकारी दी गई। स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत नन्हे विद्यार्थियों ने देशभक्ति रैली में उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर विद्यार्थियों ने

राष्ट्रप्रेम, एकता और देश के प्रति सम्मान का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान कई विद्यार्थी स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा में नजर आए। बच्चों ने महान स्वतंत्रता सेनानियों के व्यक्तित्व, उनके संघर्ष और देश के लिए दिए गए योगदान को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया। इन गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों को देश के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास से जोड़ने का प्रयास किया गया। बच्चों ने उत्साह के साथ अपने-अपने पात्रों को प्रस्तुत किया और उनके योगदान के बारे में जानकारी भी साझा की। स्कूल की कक्षाओं में चित्रकला, कहानी-कथन समेत कई रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम और वीर स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से परिचित कराया गया। चित्रकला के जरिए बच्चों ने तिरंगे, स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रप्रेम से जुड़े विभिन्न चित्र बनाए। वहीं कहानी-कथन गतिविधि में विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े प्रसंग प्रस्तुत किए। कार्यक्रमों का आयोजन जागृति विहार शाखा की प्रधानाचार्य डॉ. सिल्की वर्मा, पल्लवपुरम शाखा की प्रिंसिपल श्रीमती नवनीत चड्ढा तथा मवाना रोड शाखा की प्रधानाचार्य डॉ. रूपाली सहगल के मार्गदर्शन में किया गया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति के साथ-साथ साहस, एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में शुक्रवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर भाजपा द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों में शहीद गुलाब सिंह लोधी पार्क में स्वच्छता अभियान और माल्यार्पण शामिल था। इसके बाद गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में चित्र प्रदर्शनी, संगोष्ठी और मौन जुलूस निकाला गया। कार्यक्रम की शुरुआत गदनखेड़ा स्थित शहीद गुलाब सिंह लोधी पार्क से हुई, जहां मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, सांसद डॉ. स्वामी साक्षी महाराज, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी और सदर विधायक पंकज गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्क में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश भी दिया। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में 1947 के विभाजन पर आधारित एक चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।